राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 40
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 09 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा-ग्रेटर नोएडा की वोटर लिस्ट से 4.47 लाख नाम गायब
पेज 4 कोहरे और तेज रफ्तार ने मचाया कहर बरेली-हरिद्वार हाईवे
पेज 6 दिसंबर के लिए महिला हश्वलेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में म्यांमार बॉर्डर से 15 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मणिपुर में दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 7 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई से म्यांमार से संचालित एक तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। बुधवार को की गई इस कार्रवाई में जब्त हेरोइन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। एनसीबी के इम्फाल जोन की टीम और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। हेरोइन 638 साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई थी। गिरफ्तार दोनों आरोपी चुराचांदपुर जिले के निवासी हैं।

नाबालिग शूटर से रेप, आरोपी नेशनल कोच सस्पेंड

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की एक नाबालिग शूटर ने कोच पर रेप का आरोप लगाया है। शूटर का कहना है कि कोच ने उसकी परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद के फाइव स्टार होटल के रूम में बुलाकर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका करियर खत्म करने की भी धमकी दी। नाबालिग करीब 21 दिनों तक सदमे में रही। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। 6 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फरीदाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में होटल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है।

ममता बोलीं- प्रधानमंत्री जी अपने होम मिनिस्टर को कंट्रोल कीजिए

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर पड़े थे छापे; एक्शन के बीच फाइल उठाकर निकलीं

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी के दौरान रुकावट पैदा की।

वे कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर में जबरन घुसीं और अपने साथ कई फिजिकल डाक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले गईं।

ईडी के मुताबिक, इसके बाद मुख्यमंत्री सॉल्ट लेक स्थित I-PAC कार्यालय भी पहुंचीं। यहां भी राज्य की पुलिस की मदद से अहम सबूत जबरन अपने साथ ले गईं। प्रतीक जैन ममता की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं।

ममता ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा- मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। इस कार्रवाई के विरोध में ममता कल 2 बजे मार्च निकालेंगी।

मामला हाईकोर्ट पहुंचा, आज सुनवाई

सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में ईडी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उधर, I-PAC ने भी सर्च की वैधता को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी।

वहीं, प्रतीक जैन के परिवार ने शेक्सपीयर सरानी पुलिस स्टेशन में ईडी अधिकारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत कराने का फैसला किया है।

पहले समझिए क्या है मामला

ईडी ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रतीक जैन के घर और ऑफिस में छापेमारी की। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे।

ईडी का स्पष्टीकरण-राजनीतिक नहीं, साक्ष्य आधारित कार्रवाई

विवाद बढ़ता देख ईडी ने स्पष्ट किया है कि यह छापेमारी किसी राजनीतिक दल या चुनाव से प्रेरित नहीं है। किसी भी पार्टी कार्यालय की तलाशी नहीं ली गई है। यह कार्रवाई मनी लांड्रिंग के खिलाफ एक नियमित कानूनी प्रक्रिया है। तलाशी अभियान पूरी तरह से स्थापित कानूनी सुरक्षा उपायों के अनुरूप चलाया गया है।

कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं।

ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं।

ईडी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद में बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है।

बिल का नाम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025 है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं।

बिल को सीनेट में 80 प्रतिशत सांसदों का समर्थन

रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने वाला यह बिल एक बाइपार्टिसन यानी द्विदलीय बिल है। यह बिल रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने मिलकर पेश किया है। सीनेटर लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, इस बिल के अभी 85 सह-प्रायोजक (को-स्पॉन्सर) हैं, यानी सीनेट के 80 प्रतिशत से ज्यादा सांसद इसके समर्थन में हैं।

क्या है सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025?

इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर्स को निशाना बनाया गया है। इसमें रूसी तेल-गैस कंपनियों, बड़े बैंकों, डिफेंस इंडस्ट्री और उनसे जुड़े ग्लोबल नेटवर्क पर सख्त पाबंदियों का प्रस्ताव है। इसके साथ-साथ उन तीसरे देशों, कंपनियों या बैंकों पर भी सेकेंडरी सैंक्शन लगाने का प्रावधान है, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद करते पाए जाएं। मतलब साफ है जो देश भी रूस के साथ घुमावदार रास्ते से कारोबार करेगा, वह भी अमेरिकी कार्रवाई की जद में आ सकता है। विधेयक में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में फ्रीज की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल करने की कानूनी राह तैयार करने की बात कही गई है। इससे युद्ध के नुकसान की भरपाई की जाएगी।

जज कैश कांड, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जवाब देने के लिए समय बढ़ाने से इनकार, जस्टिस वर्मा ने महाभियोग को चुनौती दी थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया। उन्हें 12 जनवरी को संसदीय समिती के सामने जवाब देना है।

दरअसल, जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी।

याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है।

एक दिन पहले, 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए।

14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया।

मैली यमुना

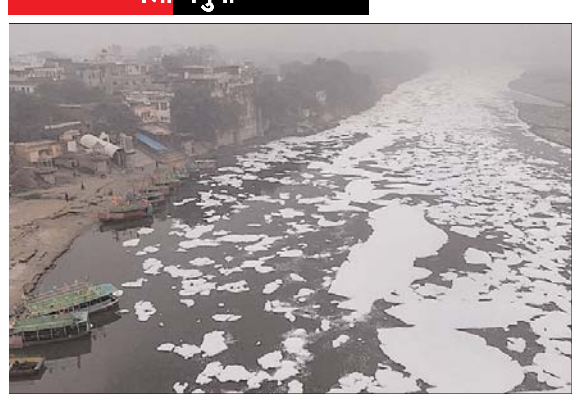

मैली यमुना : मथुरा के पास यमुना नदी की सतह पर ऑक्सीजन युक्त झाग तैर।

'वांगचुक के भाषण का उद्देश्य हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि खत्म करना था'

सोनम की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में रखी अपनी बात

नई दिल्ली। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उनके पति के भाषण का उद्देश्य किसी भी तरह से प्रदेश की सुरक्षा को खतरे में डालने या फैलाने का नहीं, बल्कि उसे समाप्त करना था।

लेकिन, उन्हें अपराधी के रूप में चित्रित करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है।

गीतांजलि ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि वांगचुक को उनकी हिरासत के 'पूर्ण आधार' प्रदान नहीं किए गए थे और उन्हें हिरासत के खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपना पक्ष रखने का उचित अवसर नहीं दिया गया था। इस मामले की सुनवाई बेनतीजा रही और 12 जनवरी को जारी रहेगी।

गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर, 2025 को वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे।

सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

भारत की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में शामिल होने से रोकने हेतु व्यक्ति को हिरासत में लेने के लिए एनएसए केंद्र और राज्यों को अधिकार देता है। इसके तहत अधिकतम हिरासत अवधि 12 महीने है, हालांकि इसे पहले भी रद किया जा सकता है।

बहरहाल, गीतांजलि की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिबल ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ को बताया कि वांगचुक को प्रशासन द्वारा पूर्वाग्रहपूर्ण गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए हिरासत में लिया गया था।

तेलंगाना में कार डिवाइडर से टकराई, 4 छात्रों की मौत

एक छात्रा घायल, बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे सभी : स्पीड ज्यादा होने से हादसा

एजेंसी

तेलंगाना। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला इलाके में बधुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई।

इस हादसे में ICFAI बिजनस स्कूल के चार छात्रों की मौत हो गई। हादसे में एक छात्रा घायल है। इसकी हालत गंभीर है।

पुलिस के मुताबिक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ में घुस गई। पुलिस ने बताया का हादसा रात करीब 1:30 बजे मोकीला थाना क्षेत्र में हुआ।

सभी छात्र दोस्त की जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। स्पीड ज्यादा तेज होने के कारण ड्राइवर ने कार से कंट्रोल खो दिया।

सभी की पहचान हुई

पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों और घायल की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम कारगयाला सुमित (20), निखिल (20), देवाला सूर्या तेजा (20) और बलमूरी रोहित (18) हैं। घायल छात्रा का नाम सुंकारी नक्षत्रा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुरंत अस्पताल भेज दिया गया जिसका इलाज जारी है।

प. बंगाल गर्वनर को बम ब्लास्ट की धमकी का ई-मेल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को गुरुवार देर रात ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई। लोक भवन के सीनियर अफसर धमकी की पुष्टि की है। अधिकारी के मुताबिक ई-मेल में राज्यपाल को बम से उड़ा देने की धमकी दी गई है। धमकी भेजने वाले ने ई-मेल में अपना मोबाइल नंबर भी लिखा है। अधिकारी ने कहा- हमने डीजीपी को जानकारी दी है। आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए हैं। सीएम ममता और गृह मंत्रालय को भी घटना की जानकारी दी गई है।

हैप्पी मॉर्निंग

पति और पत्नी में जबरदस्त लड़ाई छिड़ी थी इतनी भयंकर कि पति ने मरने की धमकी दे डाली और स्टूल पर चढ़कर फंदा पंखए में डालने की कोशिख करने लगा। पत्नी (एकदम रिलैक्स होकर)- हो गया क्या, जो करना चाह रहे हो? जरा जल्दी करो, मुझे स्टूल की जरूरत है।

शायरी

औरत हूँ मगर सूरत-ए-
कोहसार खड़ी हूँ
इक सच के तहफ़्फ़ुज़ के लिए
सब से लड़ी हूँ

अर्थसार

सेंसेक्स:
84,180.96
-780.18 (0.92%)
निफ्टी:
25,876.85
-263.90

मौसम

अधिकतम : 15 डिग्री से0
न्यूनतम : 05 डिग्री से0
सूयोदय शनिवार : 7 : 22
सूर्यास्त शुक्रवार : 5 : 35

प्रॉपर्टी कारोबारी ने परिवार की हत्या कर सुसाइड किया

फिरोजपुर में पहले पत्नी और 2 बेटियों को गोली मारी; फिर खुद को शूट किया

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी एवं फाइनेंसर अमनदीप सिंह, उसकी पत्नी और 2 बेटियों के शव गुरुवार की सुबह खून से लथपथ उनके घर में पड़े मिले। पुलिस के मुताबिक, सुबह जब सफाई का काम करने वाली घर आई और उसने दरवाजा खटखटाया तो किसी ने दरवाजा नहीं खोला।

इसके बाद नौकरानी ने घर के ऊपर रहने वाले किराएदार को फोन करके पूछा। उनसे भी जानकारी नहीं मिलने पर उसने घर के मालिक अमनदीप सिंह को कॉल की। मोबाइल घर के अंदर ही बजता रहा, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं और न ही किसी ने दरवाजा खोला।

इससे शक हुआ कि कहीं परिवार को गैस तो नहीं चढ़ गई। यह आशंका होते ही किराएदारों ने दरवाजे को तोड़ा। दरवाजा टूटने पर जब सब अंदर गए तो उनके होश उड़ गए। वहां अमनदीप, उसकी पत्नी जसवीर कौर, दो बेटियों मनवीर (10) और परनीत (6) के खून से लथपथ शव पड़े थे। सबकी मौत हो चुकी थी।

तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान को सील करते हुए अंदर एंट्री ली। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

गुडाराज

मेरठ में भड़के लोगों ने एंबुलेंस तोड़ी, गांव में तनाव; आरोपी का परिवार भागा

मेरठ : मां की हत्या करके दलित बेटी उठा ले गया दबंग

मेरठ। यूपी के मेरठ में दबंग कंपाउंडर ने एक दलित महिला की हत्या कर दी। फिर उसकी बेटी को उठा ले गया। आरोपी राजपूत है। इस वारदात के बाद तनाव फैल गया।

पुलिस परिवार को बिना बताए डेड बॉडी अस्पताल से सीधे पोस्टमॉर्टम हाउस ले जा रही थी। लेकिन इसकी भनक लोगों को लग गई। उन्हें एम्बुलेंस को रोक लिया। तोड़फोड़ कर दी। उसके शीशे तोड़ डाले। लाश को उठाने से रोक दिया।

सभी आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। अफसरों ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत किया। करीब दो घंटे के हंगामे के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा सका।

पारस राजपूत, आरोपी सुनीता, मृतक

आरोपी और दलित परिवार एक ही गांव के हैं। आरोपी के दादा-दादी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जबकि मां-पिता और भाई फरार हो गए हैं। गांव में तीन थानों की पुलिस फोर्स तैनात है।

इस वारदात पर सियासत भी शुरू हो गई है। सपा विधायक अतुल प्रधान ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। नगीना से सांसद चंद्रशेखर की भीम आर्मी के कार्यकर्ता गांव पहुंचे। लगभग दो घंटे तक चले हंगामे के बाद परिजनों ने अस्पताल के बाहर से डेडबॉडी को उठने दिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने कहा- आरोपी ठाकुर है, इसलिए न्याय मिलने में देरी हो रही है। अगर आरोपी किसी अन्य समाज का होता तो अब तक बचा नहीं होता। पुलिस ने हमसे 84 घंटे का समय मांगा है। अगर परिवार को न्याय नहीं मिला तो हमारे नेता चंद्रशेखर खुद आएंगे। कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे।

पीएम हाउस पर 4 थानों की फोर्स मौजूद

पीएम हाउस पर एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार मिश्रा खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। उनके साथ 3 सर्किल के सीओ हैं। सीओ सिविल लाइन अभिषेक त्रिपाठी, सीओ किठौर और सीओ सदर देहात हैं। इसके अलावा नौचंदी थाना, मेडिकल थाना, सिविल लाइन थाना और गंगानगर थाने का पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। 4 थानों की फोर्स लगी है, थानाप्रभारी भी पहुंचे हैं।

संपादकीय

अतिक्रमण की भेंट चढ़ती जिंदगी

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत के तेजी से बढ़ते शहरीकरण में अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बन चुका है। सार्वजनिक भूमि, नदियों के किनारे, नालों, सड़कों और फुटपाथों पर अवैध कब्जे न केवल शहरों की व्यवस्था को बिगाड़ते हैं, बल्कि लोगों की जान को भी खतरे में डालते हैं। अतिक्रमण के कारण बाढ़, आग, सड़क दुर्घटनाएं और अन्य हादसे बढ़ते हैं, जिनमें हर साल हजारों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं। यह समस्या केवल संपत्ति का मामला नहीं, बल्कि मानवीय जीवन की सुरक्षा का सवाल है।

अतिक्रमण का सबसे बड़ा प्रभाव बाढ़ के रूप में देखा जाता है। दिल्ली जैसे शहरों में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्रों पर अवैध निर्माण और बस्तियां बस गई हैं। 2023 में दिल्ली में आई भयंकर बाढ़ इसका जीता-जागता उदाहरण है। यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया, क्योंकि फ्लडप्लेन पर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स और झुग्गी-झोपड़ियां बनी हुई हैं। नालों और जल निकासी प्रणाली पर कब्जे के कारण पानी का बहाव रुक जाता है, जिससे शहर की सड़कें नदियां बन जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली के 1,040 जलाशयों और वेटलैंड्स में से कई पर अतिक्रमण हो चुका है, जिससे प्राकृतिक जल अवशोषण की क्षमता कम हो गई है। हर साल मानसून में पानी भराव से दर्जनों मौतें होती हैं ङ्क लोग डूब जाते हैं, वाहन बह जाते हैं और बीमारियां फैलती हैं।

सड़क अतिक्रमण भी जानलेवा साबित हो रहा है। फुटपाथों और सड़कों पर दुकानें, ठेले और अवैध पार्किंग के कारण पैदल चलने वाले सड़क पर उतर आते हैं। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में हर साल 1.5 लाख से ज्यादा मौतें होती हैं, जिनमें पैदल यात्री और दोपहिया वाहन सवार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अतिक्रमण से सड़कें संकरी हो जाती हैं, ट्रैफिक जाम बढ़ता है और दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में अतिक्रमण एक बड़ा कारक है। हॉकर और अवैध निर्माण पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर धकेल देते हैं, जहां तेज रफ्तार वाहन उन्हें कुचल देते हैं।

आग की घटनाएं भी अतिक्रमण से जुड़ी हैं। घनी बस्तियों, अवैध फैक्टरियों और स्क्रैप मार्केट में संकरी गलियां और अवैध बिजली कनेक्शन के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में झुग्गी बस्तियों में आग लगने की घटनाएं आम हैं, जहां अतिक्रमण के कारण निकासी के रास्ते बंद होते हैं। इससे न केवल संपत्ति का नुकसान होता है, बल्कि कई जिंदगियां जलकर राख हो जाती हैं।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाइयां भी कभी-कभी जानलेवा बन जाती हैं। कानपुर देहात, असम और हल्द्वानी जैसे मामलों में बुलडोजर एक्शन के दौरान झड़पें हुईं, जिनमें लोग मारे गए। एक तरफ अवैध कब्जे से प्राकृतिक आपदाएं बढ़ती हैं, तो दूसरी तरफ हटाने की प्रक्रिया में हिंसा भड़क जाती है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चल रहे हैं, लेकिन इनमें मानवीय संवेदनशीलता की कमी से समस्या और गहराती है।

यह समस्या जड़ों से जुड़ी है ङ्क बढ़ती जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी और शहरीकरण। लोग मजबूरी में सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करते हैं, लेकिन इससे पर्यावरण और सुरक्षा दोनों को नुकसान पहुंचता है। सरकारें और अदालतें सख्त हो रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने अतिक्रमण को %डकैती% जैसा बताया है, क्योंकि इससे सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कहा है कि अतिक्रमणकारी को कोई कानूनी अधिकार नहीं मिलता।

समाधान की दिशा में कदम उठाने जरूरी हैं। सबसे पहले, शहरों की मास्टर प्लान को सख्ती से लागू करना चाहिए। नदियों, नालों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त रखना होगा। वैकल्पिक आवास और पुनर्वास योजनाएं बनानी होंगी, ताकि गरीबों को बेघर न करना पड़े। ड्रेनेज सिस्टम को अपडेट करना, कचरा प्रबंधन सुधारना और जागरूकता अभियान चलाना भी जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल ङ्क जैसे ड्रोन और सैटेलाइट इमेजिंग ङ्क से निगरानी बढ़ाई जा सकती है।

अतिक्रमण केवल जमीन का मामला नहीं, बल्कि जिंदगियों का सवाल है। अगर हम आज नहीं चेते, तो कल और ज्यादा जानें जाएंगी। यह समय है कि समाज, सरकार और व्यक्ति मिलकर इस समस्या का स्थायी हल निकालें। अन्यथा, अतिक्रमण की भेंट चढ़ती जिंदगियां कभी रुकेंगी नहीं।

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है।

ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है।

वेनेजुएला संकट के बहाने वैश्विक शक्ति-संतुलन

- डॉ. सत्यवान सौरभ

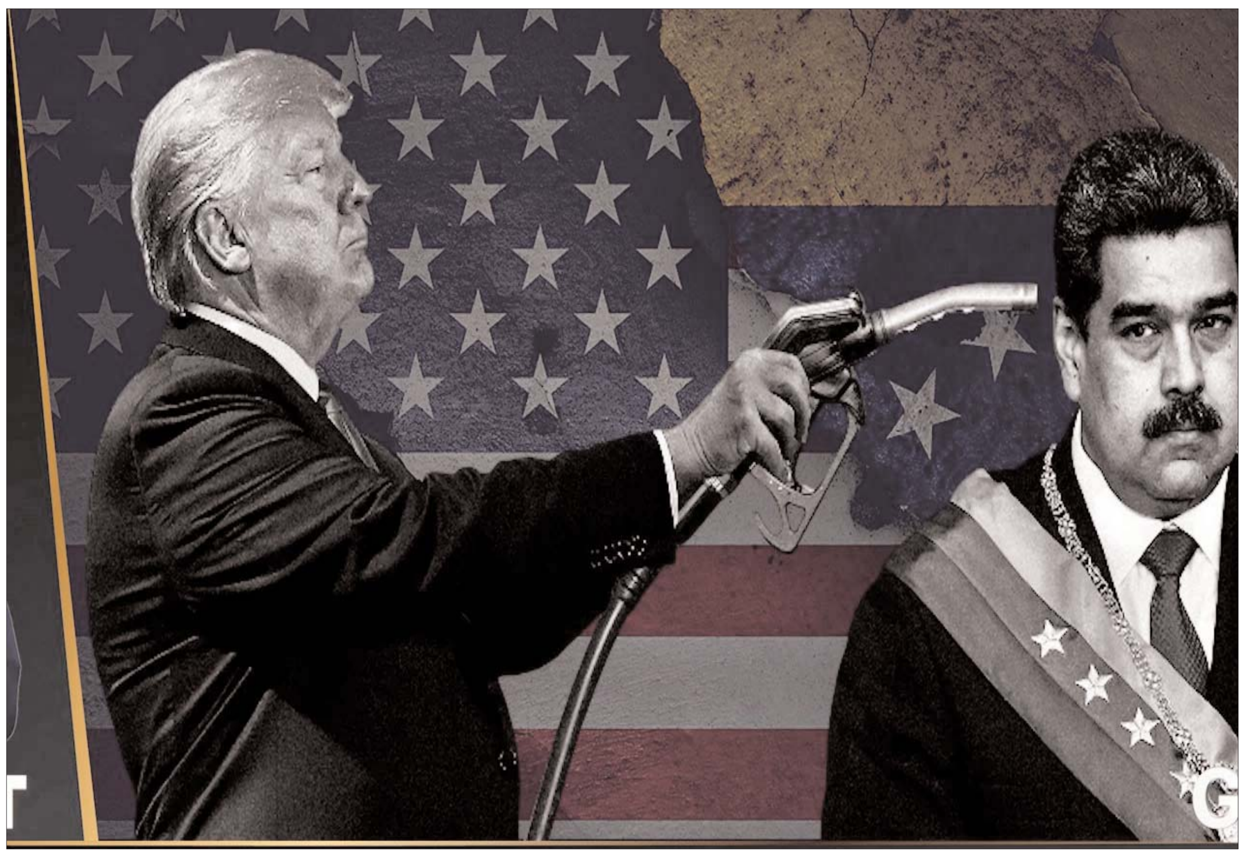

हाल ही में वेनेजुएला में घटित राजनीतिक घटनाक्रम और उसमें अमेरिकी हस्तक्षेप ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक पुरानी बहस को फिर से जीवित कर दिया है। अनेक विश्लेषक इसे उन्नीसवीं सदी के मुनरो सिद्धांत की संभावित वापसी के रूप में देख रहे हैं। मुनरो सिद्धांत मूलत: यह घोषित करता था कि पश्चिमी गोलार्द्ध में किसी बाहरी शक्ति का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा और इस क्षेत्र को अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखेगा। समय के साथ यह सिद्धांत उपनिवेशवाद-विरोधी आदर्श से हटकर अमेरिकी प्रभुत्व और हस्तक्षेपवादी नीति का औजार बन गया। आज, जब विश्व बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है, तब वेनेजुएला जैसे देशों में अमेरिकी दखल यह संकेत देता है कि शक्ति-राजनीति के पुराने सिद्धांत नए संदर्भों में फिर उभर रहे हैं।

वेनेजुएला लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय दबावों से जूझ रहा है। अमेरिका ने लोकतंत्र, मानवाधिकार और आर्थिक कुप्रबंधन के नाम पर वहां प्रतिबंधों और राजनीतिक हस्तक्षेप को उचित ठहराया है। किंतु आलोचकों का मानना है कि इसके पीछे असली कारण वेनेजुएला के विशाल तेल संसाधन और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभाव को बनाए रखने की रणनीति है। यह वही सोच है जो ऐतिहासिक रूप से मुनरो सिद्धांत के अंतर्गत विकसित हुई थी, जहाँ अमेरिका स्वयं को पूरे क्षेत्र का संरक्षक मानता रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम में ब्रिक्स देशों की प्रतिक्रियाएँ विशेष ध्यान आकर्षित करती हैं। चीन और रूस ने अमेरिकी हस्तक्षेप का खुलकर विरोध किया और इसे संप्रभुता के उल्लंघन के रूप में प्रस्तुत किया। उनके वक्तव्यों में न केवल वेनेजुएला के समर्थन का स्वर था, बल्कि अमेरिका के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने की व्यापक रणनीति भी निहित थी। इसके विपरीत, भारत का वक्तव्य अपेक्षाकृत संतुलित, संयमित और कूटनीतिक रहा। भारत ने न तो अमेरिका की नीति का समर्थन किया और न ही तीखा विरोध। यह अंतर भारत की विदेश नीति की विशिष्टता और उसकी रणनीतिक सोच को दर्शाता है।

भारत के इस संतुलित रुख के पीछे सबसे प्रमुख कारण उसकी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने किसी एक शक्ति गुट में शामिल होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने की परंपरा अपनाई है। शीत युद्ध काल में गुटनिरपेक्ष आंदोलन इसका उदाहरण था, और आज के बहुध्रुवीय विश्व में यह नीति और भी प्रासंगिक हो गई है। अमेरिका भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, विशेषकर रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में। ऐसे में वेनेजुएला जैसे मुद्दे पर तीखा विरोध भारत-अमेरिका संबंधों को अनावश्यक रूप से प्रभावित कर सकता था।

साथ ही, भारत रूस और अन्य ब्रिक्स देशों के साथ भी अपने ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध बनाए रखना चाहता है। इस दोहरे संतुलन के लिए भारत को शब्दों और रुख में अत्यंत सावधानी बरतनी पड़ती है। भारत की कूटनीति टकराव से अधिक संवाद पर विश्वास करती है और यही कारण है कि वह विवादास्पद अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अक्सर संतुलित भाषा का प्रयोग करता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण कारण भारत की स्वयं की संवेदनशीलताएँ हैं। भारत लंबे समय से संप्रभुता और गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत का समर्थन करता रहा है, क्योंकि वह स्वयं कश्मीर और अन्य आंतरिक मुद्दों पर बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करता है। यदि भारत वेनेजुएला के मामले में किसी एक पक्ष के समर्थन में अत्यधिक मुखर होता, तो भविष्य में उसके अपने मामलों पर भी प्रश्न उठाए जा सकते थे। इसलिए भारत ने सिद्धांतों का समर्थन करते हुए भी व्यावहारिक संतुलन बनाए रखा।

भारत का संतुलित वक्तव्य यह भी दर्शाता है कि वह स्वयं को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है।

भारत का उद्देश्य केवल प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता और संवाद को बढ़ावा देना है।

यही कारण है कि भारत अक्सर शांतिपूर्ण समाधान, बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर जोर देता है। यह रुख उसे वैश्विक दक्षिण के देशों में एक भरोसेमंद और संतुलित नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करता है।

बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत के लिए लैटिन अमेरिका का महत्व लगातार बढ़ रहा है। अब तक यह क्षेत्र भारत की विदेश नीति में अपेक्षाकृत उपेक्षित रहा है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ इस सोच में बदलाव की माँग करती हैं। लैटिन अमेरिका ऊर्जा संसाधनों, विशेषकर तेल और गैस, के साथ-साथ लिथियम, तांबा और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का भी बड़ा स्रोत है। हरित ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के युग में ये संसाधन भारत की आर्थिक और तकनीकी आकांक्षाओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

इसके अतिरिक्त, लैटिन अमेरिका कृषि उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स और उभरते बाजारों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

भारत की दवा उद्योग और आईटी सेवाएँ इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाएँ रखती हैं। यदि भारत अपनी कूटनीतिक और आर्थिक उपस्थिति को सशक्त करता है, तो वह चीन की बढ़ती पकड़ को संतुलित कर सकता है, जिसने हाल के वर्षों में लैटिन अमेरिका में बड़े पैमाने पर निवेश और अवसंरचना परियोजनाएँ शुरू की हैं।

राजनीतिक दृष्टि से भी लैटिन अमेरिका भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत को स्थायी सुरक्षा परिषद सदस्यता जैसी आकांक्षाओं के लिए व्यापक समर्थन की आवश्यकता है। लैटिन अमेरिकी देशों का समर्थन इस दिशा में निर्णायक हो सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि भारत केवल संकट के समय प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करे।

भारत को अपनी लैटिन अमेरिका नीति में बदलाव करते हुए अधिक सक्रिय, बहुआयामी और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसमें नियमित उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद, व्यापार और निवेश समझौते, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विकास सहयोग शामिल होना चाहिए। साथ ही, भारत को यह भी स्पष्ट करना होगा कि वह किसी भी क्षेत्र में प्रभाव क्षेत्रों की राजनीति का समर्थन नहीं करता, बल्कि संप्रभुता, समानता और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित संबंधों का पक्षधर है।

अंतत:, वेनेजुएला संकट और मुनरो सिद्धांत की संभावित वापसी केवल एक क्षेत्रीय घटना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे बदलावों का प्रतीक है। भारत का संतुलित रुख इस बात का संकेत है कि वह न तो अंधानुकरण करना चाहता है और न ही अनावश्यक टकराव।

यह रुख उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच, वैश्विक दक्षिण के प्रति प्रतिबद्धता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन को दर्शाता है। आने वाले समय में यदि भारत लैटिन अमेरिका के प्रति अधिक सक्रिय और दूरदर्शी नीति अपनाता है, तो वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुदृढ़ करेगा, बल्कि एक अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में भी योगदान दे सकेगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3765

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -3764 का हल

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालो और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

□ □ □

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

□ □ □

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

□ □ □

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3765

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3764

सूडोकु -3765

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3764 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 3765

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3764 का हल

नोएडा-ग्रेटर नोएडा की वोटर लिस्ट से 4.47 लाख नाम गायब

ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद अब कुल 14,18,202 मतदाता शेष हैं

नोएडा। जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्ध नगर ने एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की नई फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का आलेख्य (ड्राफ्ट) प्रकाशित कर दिया है। इस बार मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान के तहत जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों—नोएडा, दादरी और जेवर—से लगभग 4.47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

बता दे कि गौतमबुद्ध नगर के तीन विधानसभा क्षेत्रों—नोएडा, दादरी और जेवर मे चलाए गए विशेष पुनरीक्षण अभियान के बाद जिले में मतदाताओं की कुल संख्या में करीब 24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है : पुनरीक्षण से पहले कुल 18,65,673 मतदाता थे। ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद अब कुल 14,18,202 मतदाता शेष हैं। प्रशासन के अनुसार, ये नाम एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत) श्रेणी के तहत हटाए गए हैं, ताकि आगामी चुनावों के लिए एक पारदर्शी और सटीक मतदाता सूची तैयार की जा सके।

एक नज़र में मुख्य आंकड़े

श्रेणी पुनरीक्षण से पूर्व ड्राफ्ट प्रकाशन (6 जनवरी 2026)
पुरुष मतदाता 10,26,659 7,79,821
महिला मतदाता 8,38,936 6,38,327
थर्ड जेंडर 78 54
कुल मतदाता 18,65,673 14,18,202

भले ही मतदाताओं की संख्या कम हुई है, लेकिन मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सुविधाओं में इजाफा किया गया है।

मतदान केंद्र : 642 से बढ़ाकर 743 कर दिए गए हैं।

मतदेय स्थल : इनकी संख्या 1,868 से बढ़ाकर 2,024 हो गई है। प्रशासन ने खास तौर पर हाई-राइज सोसायटियों में नए बूथ स्थापित किए हैं ताकि निवासियों को लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

जिले के 1.76 लाख मतदाता अभी अनमैप्ड श्रेणी में हैं। इनके डेटा मिलान के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

दावे और आपत्तियां 06 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक स्वीकार की जाएंगी। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है या कोई सुधार कराना है, तो वे बीएलओ या पंजीकरण अधिकारी के पास फॉर्म जमा कर सकते हैं।

पेयजल पाइप लाइन बदलने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सबसे पुराने और अधिक बसावट वाले नौ सेक्टरों अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा में पेयजल पाइपलाइन बदली जाएगी। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जलापूर्ति और सीवरेज में वन सिटी वन ऑपरेटर व्यवस्था लागू किए जाने के लिए सलाहकार एजेंसी द्वारा तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में इस बिंदु को शामिल किया गया है।यहां उच्च क्षमता की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। दरअसल, शहर के पुराने सेक्टरों में शामिल अल्फा -1, 2, बीटा -1, 2, गामा-1, 2 और डेल्टा -1,2, 3 में पेयजल पाइपलाइन में लीकेज, फटने, प्रेशर कम होने और दूषित जलापूर्ति की समस्या बढ़ती जा रही है। आएदिन कहीं न कहीं पाइप फटने की शिकायतें मिलती हैं। इसके स्थायी समाधान के लिए प्राधिकरण ने दो दशक पहले बिछाई कास्ट आयरन (सीआई) पाइपलाइन को बदलकर उसके स्थान पर डक्टिट आयरन (डीआई) पाइप लाइन बिछाने का निर्णय लिया है। प्रथम चरण में नौ सेक्टरों में पाइपलाइन बदली जाएगी। सेक्टर डेल्टा-वन आरडब्ल्यूए के महासचिव दीवान चंद शर्मा का कहना है कि पूरे सेक्टर की पाइपलाइन जर्जर हो चुकी है।

ग्रेटर नोएडा में आवंटित जमीन पर अवैध कब्जा

प्राधिकरण ने कब्जाधारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के दिए निर्देश

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के खेड़ा चौगानपुर में प्राधिकरण की अधिगृहीत व अधिसूचित जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने का मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस मामले में अवैध कब्जाधारी प्रदीप भाटी, कुलदीप भाटी और संजीव भाटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए नामजद शिकायत पुलिस उपायुक्त को दी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भू माफियाओं को लेकर तीनों प्राधिकरण एक्शन मोड में है। ऐसे में कब्जा और अर्जित भूमि पर अवैध कब्जा और कब्जा धारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

इसी क्रम में सेक्टर केपी-5 मे भूखंड संख्या 33ए ग्राम खेड़ा चौगानपुर के खसरा नंबर-126 में आता है।

ये जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है। इसका मुआवजा भी किसान की ओर से लिया जा चुका है। ये भूखंड कंपनी PIVOTEL INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED को आवंटित की गई है।

इस संबंध में भू मालिक सुनील कुमार ने बताया कि हाल ही में जमीन की फेंसिंग का कार्य शुरू किया गया तो उक्त अवैध कब्जा धारियों ने कर्मचारियों को परेशान किया और उनके कर्मचारियों के साथ मारपीट तक की। अवैध कब्जाधारियों द्वारा किसान यूनियन के नाम पर प्रदर्शन किया गया। यही नहीं कंपनी कर्मचारियों को स्थल पर काम करने से रोका गया।

मारपीट और जान से मारने की धमकी

कर्मचारियों के साथ मारपीट और उनको जान से मारने की धमकी देते हुए सामान तक फेंक दिया गया। जबकि भूखंड पर आवंटी नियमानुसार कार्य कर रहा है।

अलग-अलग तरीकों से अवैध कब्जाधारी ब्लैक मेल करने का प्रयास तक कर रहे है। वो अज्ञात लोगों का नाम लेकर जमीन के मालिक बताते है। इस संबंध में उन्होंने ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण में लिखित शिकायत दी।

शार्ट न्यूज

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश का सुनहरा अवसर, सत्र 2026-27 की प्रवेश परीक्षा 22 फरवरी तक

ग्रेटर नोएडा। सहायक श्रम आयुक्त गौतमबुद्धनगर डॉ एस पी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रम विभाग द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह विद्यालय पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों, महिला कल्याण विभाग में कोविड से अनाथ हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत राज्याश्रित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक शिक्षा एवं समग्र व्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मण्डल स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि मेरठ मण्डल के सभी जनपदों में कक्षा 6 एवं कक्षा 9 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 फरवरी 2026 को किया जाएगा। कक्षा 6 में कुल 160 तथा कक्षा 9 में 65 छात्र-छात्राओं का चयन मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

घर में घुसकर जानलेवा हमले का प्रयास

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के तिरथली खेड़ा गांव में घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की गई है। पुलिस ने नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव तिरथली खेड़ा निवासी वीरेंद्र ने कोर्ट में दिए अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि 28 नवंबर 2025 को वह अपने परिवार के साथ घर पर मौजूद थे। उसी समय गांव के अनुज तेवतिया जयंत, रघुराज और एक अज्ञात व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर उनके घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और परिवार के सदस्यों को डराने-धमकाने लगे। जब वीरेंद्र ने इसका विरोध किया, तो अज्ञात आरोपी ने उन पर तमंचे से फायर करने की कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चल सकी। इससे वीरेंद्र बाल-बाल बच गए। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। लोगों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

जेवर के चार गांवों में ई-लाइब्रेरी स्थापित होगी

जेवर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जेवर क्षेत्र के चार गांवों में ई-लाइब्रेरी स्थापित करेगा। इन गांवों में घंघौला, हतेवा, नवादा और बिसायच शामिल हैं। युवाओं को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, और इन ई-लाइब्रेरी का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। आज जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस ई-लाइब्रेरी परियोजना का शिलान्यास किया। विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि इन ई-लाइब्रेरी से ग्रामीण युवाओं को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं से युक्त इन पुस्तकालयों में इंटरनेट, कंप्यूटर और आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे युवाओं को शिक्षा के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। धीरेंद्र सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आने वाले गांवों में पंचायत चुनाव व्यवस्था समाप्त हो चुकी है।

जेवर में किसान एकता संघ की पंचायत

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र स्थित अट्टा गुजरान गांव में गुरुवार को किसान एकता संघ ने आबादी बचाओ अभियान के तहत एक पंचायत का आयोजन किया। इस पंचायत में किसानों ने अपनी आबादी के निस्तारण की मांग दोहराई और 16 फरवरी को यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) कार्यालय पर बड़े आंदोलन की घोषणा की। यह पंचायत युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विक्रम नागर के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बाबा मेम्बर ने की, जबकि संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया। पंचायत को संबोधित करते हुए किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने कहा कि आबादी का मुद्दा किसानों की आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान अपनी आबादी का निस्तारण कराकर ही मानेंगे और इसके लिए इस बार आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। चौधरी सोरन प्रधान ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के किसानों की समस्याओं को लेकर संगठन पूरी तरह गंभीर है।

हरकेश हत्याकांड : दो और आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की दादरी पुलिस ने हरकेश हत्याकांड के मामले में फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को पुलिस मुठभेड़ के बाद दो अन्य आरोपियों को भी पकड़ा गया था। यह घटना रविवार रात की है, जब हरकेश ग्रेटर नोएडा से अपने गांव कैमराला लौट रहा था। गांव के पास गाड़ी खड़ी करने को लेकर उसका कुछ लोगों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने हरकेश और उसके दोस्त मोहित पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हरकेश को मृत घोषित कर दिया। मोहित का इलाज जारी है। पुलिस ने इस मामले में हरकेश के परिजनों की शिकायत पर पांच नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। दादरी पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों सोनू और हर्ष हूण को आरवी नार्थलैंड तिराहे के पास से गिरफ्तार किया।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा। शहर में अलग-अलग स्थान पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। साथ ही, परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। फेज-2 थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मूलरूप से जिला बिजनौर के सिकंदरपुर निवासी विनोद कुमार ने एफआईआर दर्ज कराई कि उनके पिता मुन्ना सिंह सात जनवरी की सुबह करीब 10 बजे सेक्टर-93 के पास नोएडा एक्सप्रेसवे की तरफ जा रहे थे। इसी बीच अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। अस्पताल में उपचार के दौरान मुन्ना सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि मुन्ना सिंह परिवार के साथ फेज-तीन थाना क्षेत्र के मामूरा गांव में रहते थे। दिसंबर से वह लापता थे। परिजन ने फेज-3 थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

नोएडा प्राधिकरण ने 500 करोड़ की जमीन कराई कब्जा मुक्त

83 हजार वर्गमीटर है दायरा, प्राधिकरण की है अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि, तीन टीमों ने किया काम

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने बड़े स्तर पर अवैध निर्माण को हटाते हुए करीब 500 करोड़ की जमीन को कब्जा मुक्त कराया है। ये जमीन भंगेल बेगमपुर , सुथियाना सेक्टर-143 , सोरखा जाहिदाबाद में है। प्राधिकरण की अलग-अलग टीमों ने बुलडोजर के साथ यहां एक्शन किया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। लोगों ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के दौरान हल्का विरोध किया।

प्राधिकरण ने बताया कि पहली टीम वर्क सर्किल 8 की अगुवाई में ग्राम भंगेल बेगमपुर के खसरा संख्या 58 पहुंची। यहां से अतिक्रमण हटाया गया। यहां लगभग 2000 वर्ग मीटर भूमि अतिक्रमण मुक्त किया गया। इसके बाद अगली टीम ग्राम सुथियाना सेक्टर 143 के डूब क्षेत्र पहुंची। यहां प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि है। करीब 75000 वर्ग मीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया।

तीसरी टीम सोरखा जाहिदाबाद के डूब क्षेत्र पहुंची। यहां नोएडा प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त करीब 6000 वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इन तीनों जमीनों की कीमत करीब 500 करोड़ रुपए ज्यादा है। प्राधिकरण ने स्पष्ट कहा कि अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बता दे नोएडा प्राधिकरण द्वारा साल-2024-25 में कुल 215912 वर्ग मीटर और साल 2025-26 में कुल 2393158 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। जिसकी बाजार अनुमानित कीमत रुपए 2745 करोड़ है। वहीं पुलिस थानों में लगभग 25 एफआईआर दर्ज करायी गई।

527 नोटिस जारी किए गए

वर्तमान में नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 174 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध 527 नोटिस जारी किये गए हैं। इसके अलावा टीम बनाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की योजना पर काम किया जा रहा है। जल्द ही शहर में बड़े स्तर पर अवैध निर्माण को ध्वस्तीकरण करने की कार्यवाही की जाएगी।

गौर सिटी सेंटर में चल रहे 'गेमिंग स्कैम' का भंडाफोड़

'मज़े से जीतो' ऐप से ठगी करने वाले 5 महिलाओं समेत 8 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा वकार सैफी। सेंट्रल नोएडा की थाना बिसरख पुलिस और साइबर सेल ने एक संयुक्त कार्रवाई में एक हाई-प्रोफाइल फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए निर्दोष लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। इस कार्रवाई में पुलिस ने 5 महिलाओं सहित कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह गिरोह 'मजाबुक' और 'मज़े से जीतो' जैसे ऐप्स के जरिए लोगों को अपनी बातों में फंसाकर उनका पैसा हड़प लेता था।

बता दे कि पुलिस की गिरफ्त में खडे गर्व, अजय सिंह और सोनल उर्फ अनिरुद्ध रुचि, कोमल, सुषमा, तनीषा और सानिया सिंह को गौर सिटी सेंटर की चौथी मंजिल पर छापा मारकर भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें सोनल उर्फ अनिरुद्ध रुचि मासटर माइंड है. डीसीपी सेंट्रल नोएडा के अनुसार, यह गिरोह मजाबुक और 'मज़े से जीतो' नाम की वेबसाइट और ऐप के जरिए क्रिकेट, कसीनो और रोलेट जैसे खेलों पर सट्टा लगवाता था। आरोपियों ने पुलिस और प्रशासन की नजरों से बचने के लिए गौर सिटी सेंटर में 'TRENTRAC INNOVATIVE SOLUTIONS' नाम से एक फर्जी ऑफिस बना रखा था, जिसका कोई कानूनी पंजीकरण या त्रस्ज्ञ नंबर नहीं था।

यह गिरोह ठगी का हाईटेक तरीका अपनाता और कंट्रोल अपने हाथ में रखते थे मास्टर माइंड अनिरुद्ध उन लोगों का डेटा निकालता था जो ऑनलाइन गेम में रुचि रखते थे. कॉल सेंटर में तैनात युवतियां लोगों को कॉल और मैसेज कर ज्यादा मुनाफे का लालच देती थीं।

शुरुआत में ग्राहकों को फंसाने के लिए 1500 रुपये का फ्री बोनस दिया जाता था। विश्वास जीतने के लिए पहले छोटी-छोटी राशि जितवाई जाती थी। कंट्रोल रूम से हार-जीत-गेम का पूरा कंट्रोल ठगों के पास होता था।

जैसे ही कोई व्यक्ति बड़ी रकम लगाता, उसे जानबूझकर हरवा दिया जाता था। यदि कोई गलती से जीत जाता और पैसे निकालने की कोशिश करता, तो आरोपी उसे तुरंत ब्लॉक कर देते थे।

पुलिस ने रेड के दौरान आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में तकनीकी उपकरण बरामद किए हैं, 155 सिम कार्ड, ये सिम कार्ड कूटरचित दस्तावेजों पर अन्य राज्यों से मंगाए गए थे।

50 से ज्यादा क्यूआर कोड, पेमेंट रिसीव करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कोड एक निश्चित समय के बाद एक्सपायर हो जाते थे। इसके अलावा 18 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 10 से ज्यादा बैंक खाते और करीब 45,000 रुपये नकद बरामद किये गये है।

पुलिस ने पकड़े गए सभी बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, उन लोगों की भी जांच की जा रही है जिनके दस्तावेजों पर ये सिम कार्ड जारी हुए थे। पुलिस अब इस सिंडिकेट के मनी ट्रेल (पैसों के लेनदेन) की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ठगी की रकम कहाँ-कहाँ भेजी गई है।

शैक्षिक भ्रमण पर छात्र-छात्राओं ने ली महत्वूर्ण जानकारियां

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जनपद के जहाँगीरपुर कस्बे में स्थित पब्लिक इंटर कालेज के कक्षा 12 के छात्र /छात्राओं द्वारा ग्रेटर नोएडा स्थित कालिज एचआईएमटी ग्रुप ऑफ कालिज का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कुलभूषण शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि विद्यालय के कला व विज्ञान दोनों वर्गों के 100 से भी ज्यादा छात्र /छात्राओं को एक दिन का भ्रमण ग्रेटर नोएडा के इस प्रसिद्ध संस्थान का कराया गया। उन्होंने आगे बताया कि भ्रमण के दौरान विद्यालय छात्र /छात्राओं ने भरपूर आनंद उठाया और अपने आगामी कैरियर से सम्बंधित अनेक जानकारियां भी प्राप्त की गई। शैक्षिक भ्रमण की बसों को प्रधानाचार्य कुलभषण शर्मा के नेतृत्व में रवाना किया गया। भ्रमण के समय बच्चे बहुत ही उत्साहित थे तथा उनके चेहरे ख़ुशी से खिले हुये थे।समापन के समय एचआईएमटी ग्रुप ऑफ संस्थान के चेयरमैन एच एस बंसल और विद्यालय की प्रवक्ता नेहा शर्मा, पारुल शर्मा, पियुष, उजाला, राजकुमार आर्य, राहुल शर्मा उपस्थित रहे। कैम्पस भ्रमण के दौरान संस्थान की ओर से एचओडी, नरेंद्र कुमार उपाध्याय, रामप्रकाश, हिमानी शर्मा आदि साथ में मौजूद रहे।

कुश्ती ट्रायल में सात खिलाड़ियों का चयन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के मलकपुर खेल परिसर में गुरुवार को प्रदेश स्तर पर होने वाली जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन करने के लिए जिला स्तरीय ट्रायल हुआ। बेहतर प्रदर्शन करने वाले सात खिलाड़ियों का चयन मंडल ट्रायल के लिए किया गया। प्रभारी जिला खेल अधिकारी डॉ.परवेज अली ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल में 57 किलो में अंतुल, विपिन फ्री स्टाइल, 70 किलो फ्री स्टाइल में सुमित, 74 किलो फ्री स्टाइल में अनमोल, 86 किलो फ्री स्टाइल में परम चौधरी, 92 किलो फ्री स्टाइल में आर्यन और 61 किलो फ्री स्टाइल में लविश का चयन हुआ है।

नोएडा में व्यक्ति से 35 लाख की ठगी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा गौर सिटी निवासी एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने निवेश के बहाने 35 लाख रुपए ठग लिए। उन्हें वॉट्सऐप ग्रुप पर जोड़कर फर्जी ट्रेनिंग दी गई और फर्जी चोला सिक्योरिटीज कंपनी नाम का ऐप डाउनलोड कराया गया। पीड़ित से दो महिलाओं ने बातचीत कर शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद उन्होंने 8 बार में 35 लाख 30 हजार रुपए ठगों के बैंक खाता में ट्रांसफर कर दिए।

वहीं निवेश की रकम ऐप पर 1.6 करोड़ मुनाफा दिखाई देने लगी तो पीड़ित ने निकालने की कोशिश की। ठगों ने उनसे 20 प्रतिशत टैक्स जमा करने के लिए बोले। फिर उन्होंने दक्षिण भारत की प्रसिद्ध कंपनी चोला सिक्योरिटीज के ऑफीशियल मोबाइल नंबर के कंस्टमर केयर से बात की। जहां उन्हें जानकारी मिली कि कंपनी की तरफ से कोई ऐप या इंवेस्टमेंट की सेवा नहीं दी जाती है। इसके बाद पीड़ित को ठगी के बारे जानकारी हुई ।

ग्रेटर नोएडा गैलेक्सी नर्य ऐवेन्यु गौर सिटी 2 निवासी शिशुपाल सिंह ने बताया कि वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। साथ में शेयर मार्केट में निवेश करने की रुचि भी रखते हैं। उन्हें 20 सितंबर को नवीसा सायनयम नाम की महिला ने वॉट्सऐप पर संपर्क किया और अपने एक साथी वैलायन सुमैया नाम की महिला से बातचीत कराई।

नोएडा वन ऐप पर करे प्रदूषण की शिकायत

फोटो के साथ बतानी होगी लोकेशन, सीएक्यूएम करेगा सीधी निगरानी

नोएडा। प्राधिकरण प्रदूषण से जुड़ी शिकायतें लेने और उनका निपटारा कर जवाब देने के लिए मोबाइल ऐप लेकर आ रहा है। नोएडा वन नाम से आने जा रहे इस ऐप पर फोटो के साथ शहर में प्रदूषण से जुड़ी कोई भी शिकायत की जा सकेगी। महज फोटो देनी होगी और जगह बतानी होगी। फिर शिकायत का ऐप पर ही निपटारा कर प्राधिकरण अवगत करवाएगा। खास बात यह है कि इस ऐप की वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) सीधी निगरानी करेगा। अगर शिकायत के निपटारा में देरी हुई तो प्राधिकरण के जिम्मेदारों से सीएक्यूएम जवाब मांगेगा।

यूपीडेस्को के साथ मिलकर बनाएंगे

ऐप विकसित किए जाने की तैयारी को लेकर बुधवार को प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने जन स्वास्थ्य विभाग, कम्प्यूटर सेल और यूपीडेस्को के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सीईओ ने ऐप को लेकर सीएक्यूएम की गाइड लाइंस की जानकारी ली। फिर निर्देश दिया कि इस ऐप को ज्यादा से ज्यादा जन उपयोगी बनाया जाए। ऐप के जरिए आने वाली शिकायतों का निपटारा करने के बाद कैसे जानकारी ऐप पर ही साझा की जानी है इसके लिए जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाए। प्रतिवर्ष अक्टूबर से प्रदूषण बढ़ने के साथ ही इससे जुड़ी शिकायतें भी बढ़ती हैं। इस बार एक महीने में 60 हजार से ज्यादा शिकायतें वायु प्रदूषण से जुड़ी हुई नोएडा से विभिन्न विभागों व उनके प्लेटफार्म पर आई हैं। इनमें धूल उड़ने, सफाई संबंधी, सड़क टूटी होने व निर्माण संबंधी शिकायतें ज्यादा रहती हैं। शिकायतों के निपटारा के लिए प्राधिकरण ने पर्यावरण सेल व 14 टीमें बनाई हुई हैं। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि पहले भी इन शिकायतों व उनके निपटारा का डेटा तैयार कर सीएक्यूएम को फोटो के साथ भेजा जाता था। अब ऐप के जरिए पूरी जानकारी सीधे आयोग को मिलती रहेगी।

इन प्रकार की करे शिकायत

ऐप को लेकर सीएक्यूएम की तरफ से मानक निर्देश भी प्राधिकरण को दिए गए हैं। इनमें शिकायतों के प्रकार बताए गए हैं। वायु प्रदूषण से जुड़ी सड़क के गड्ढ़ों, कच्चे हिस्सों, टूट फुटपाथ व डिवाइडर, कच्ची पार्किंग जगह, मलबा, कूड़ा, मिट्टी के ढ़ेर, सिल्ट, बगैर सावधानी के निर्माण व ध्वस्तीकरण, अतिक्रमण व निर्माण सामग्री खुले में डाले जाने, कूड़ा व प्लास्टिक जलाए जाने, खाली पड़ी जगह पर हरियाली न होने की शिकायतें ऐप के जरिए की जा सकेंगी।

दादरी में महिला जनसुनवाई, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई

राज्य महिला आयोग सदस्य डॉ. भराला ने शिकायतें सुनकर निर्देश दिए

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में आज दादरी के खंड विकास अधिकारी कार्यालय सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं से संबंधित कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए।

जनसुनवाई के दौरान डॉ. भराला ने उपस्थित महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों के प्रभावी और त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर मामलों का अनुश्रवण कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा, ताकि पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय मिल सके।

इस अवसर पर पांच लाभार्थियों को बेबी किट वितरित की गईं। साथ ही, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई गई और छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी विधिवत रूप से किया गया। डॉ. भराला ने उपस्थित महिलाओं और बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि स्वस्थ मातृत्व और सुरक्षित बचपन ही एक सशक्त, समृद्ध एवं विकसित समाज की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने सरकार की महिलाओं और बच्चों के पोषण, सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना दादरी द्वारा राज्य कौशल मिशन के अंतर्गत पौष्टिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर मोटे अनाज से निर्मित रागी की टिक्की, चना दाल खिचड़ी, सूजी की इडली, नारियल की चटनी, बाजरे के बिस्किट और बेसन का ढोकला जैसे व्यंजन प्रदर्शित किए गए।

डॉ. भराला ने स्टॉलों का अवलोकन किया, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद किया और व्यंजनों को चखकर उनकी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में डॉ. भराला ने संबंधित अधिकारियों को बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए शपथ भी दिलाई। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और गैर-कानूनी कृत्य है, जो बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधक है।

छात्राओं को किया गया जागरूक

- महिला थाना सहित चार थानों की टीमों ने क्षेत्र में चलाया महिला सशक्तिकरण अभियान
- महिला कानूनों, हेल्पलाइन नंबरों और साइबर अपराध से बचाव की दी गई जानकारी

पीलीभीत। मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को लेकर जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 8 जनवरी 2026 को महिला थाना, थाना हजारा, थाना करेली एवं थाना न्यूरिया की महिला सुरक्षा केंद्र टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों, आपात स्थिति में सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। टीमों ने छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और आपत्तिजनक संदेशों से सतर्क रहने की सलाह दी।

महिला सुरक्षा केंद्र की टीमों ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ किसी भी प्रकार की परेशानी की स्थिति में आगे आने और पुलिस व हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को यह भी बताया गया कि महिला उत्पीड़न, छेड़छाड़, साइबर अपराध या किसी भी तरह की असुरक्षा की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें। अभियान का उद्देश्य महिलाओं

और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना, सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और उन्हें आत्मनिर्भर व सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका महिला पुलिसकर्मियों ने सरल भाषा में समाधान किया।

कोहरे और तेज रफ्तार ने मचाया कहर बरेली-हरिद्वार हाईवे पर दो हादसे

पीलीभीत। जहानाबाद क्षेत्र में बरेली-हरिद्वार हाईवे पर बृहस्पतिवार सुबह घने कोहरे और तेज रफ्तार के चलते अलग-अलग स्थानों पर दो सड़क हादसे हो गए। एक हादसे में तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे बने एक मकान में जा घुसा, जबकि दूसरे हादसे में एक ट्रक सड़क किनारे स्थित तालाब में पलट गया। दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन मकान को भारी नुकसान पहुंचा है।

पहला हादसा थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बारात बोझ में हुआ। यहां घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार डंपर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और डंपर सीधे टीकाराम पुत्र चुन्नीलाल के मकान में जा घुसा।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मकान की दीवार टूट गई और भवन को काफी क्षति पहुंची। हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के अंदर मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से सभी सुरक्षित रहे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए।

तालाब में पलटा ट्रक दूसरा हादसा जहानाबाद कस्बे के समीप बरेलीङ्कहरिद्वार हाईवे पर हुआ, जहां घने कोहरे के कारण एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने तालाब में जा पलटा। इस हादसे में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ट्रक पलटने के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर आवागमन प्रभावित रहा।

दोनों हादसों की सूचना मिलते ही थाना जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि हादसों के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में घना कोहरा और तेज रफ्तार को हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है।

बाल श्रम के खिलाफ शहर में चला अभियान

ललितपुर। जनपद स्तर पर चलाए जा रहे 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह की घटनाओं को रोकना, अखिल भारतीय बाल बचाव एवं पुनर्वास किशोर श्रम उन्मूलन रोकथाम व बाल भिक्षावृत्ति अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक जनपद ललितपुर के कुशल निर्देशन एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक/ नोडल अधिकारी कालू सिंह के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकार यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिग जनपद ललितपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर थाना ए0एच0टी0, उ0नि0 मंसूर अंसारी मय हमराह म0का0 कल्पना बाजपेयी, श्रम विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई रैकी व सुरागरसी पतारसी के आधार पर बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन रोकथाम अभियान तथा मानव तस्करी रोकथाम के सबंध में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया । अभियान के दौरान कोई भी किशोर श्रमिक बालश्रम करते नही पाया गया नियोजको /प्रतिष्ठान स्वामी को एकत्रित करके ए0एच0टी0 व श्रम प्रर्वतन टीम के द्वारा बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति के बारें में जागरुक किया गया ।अभियान के अंतर्गत भिन्न-भिन्न दुकानों जनरल स्टोर व दुकानदारों को बालश्रम अधिनियम के बारे बताया गया व – हिदायत किया गया कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर न रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त अभियान में एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर, उ. नि. मंसूर अंसारी, म. का. कल्पना बाजपेयी व श्रम विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पीलीभीत में घना कोहरा, दृश्यता 10 मीटर तक सिमटी

- न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस, इंडिकेटर के सहारे रेंगते रहे वाहन
- हिमालयी हवाओं से बढ़ी ठंड, अगले 48 घंटे शीतलहर के आसार

पीलीभीत। जिले में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का प्रकोप लगातार बना हुआ है। गुरुवार सुबह मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया और जिले भर में घने कोहरे की चादर छा गई, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। हालात ऐसे रहे कि दृश्यता घटकर मात्र 10 मीटर तक सिमट गई। गुरुवार तड़के से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में घना कोहरा छाया रहा। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर ग्रामीण सड़कों तक वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। वाहन चालकों को दिन के समय भी हेडलाइट और इंडिकेटर जलाकर यात्रा करनी पड़ी। खासकर पीलीभीत-पूरनपुर और पीलीभीत-बरेली मार्ग पर चलने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तापमान में आई तेज गिरावट मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। जिले का न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 3 डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान में भी 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखी गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालयी क्षेत्रों से आ रही बर्फीली हवाओं और वातावरण में बढ़ी नमी के चलते जिले में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी हुई है।

नमी बढ़ने से ठंड का असर दोगुना तराई क्षेत्र होने के कारण जिले में नमी का स्तर 90 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है। हवा में मौजूद नमी घने कोहरे के साथ मिलकर बूंदाबांदी जैसा एहसास करा रही है, जिससे ठंड की सिहरन और बढ़ गई है। लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव, हीटर और गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

सुबह के समय बाजारों, बस अड्डों और सार्वजनिक स्थानों पर अपेक्षाकृत कम भीड़भाड़ देखने को मिली। कई इलाकों में लोग देर से घरों से बाहर निकले। अगले 48 घंटे राहत के आसार नहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी 48 घंटों तक कोहरे और शीतलहर का असर बना रह सकता है। इस दौरान तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट होने की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने वाहन चालकों से कोहरे में सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

एक माह से तेंदुए की चहलकदमी से दहशत

- बर्रामऊ गांव में खेती प्रभावित, पिंजरा लगने के बाद भी वन विभाग की सुस्ती पर रोष
- आबादी के पास दिख रहा तेंदुआ, 10 से अधिक आवारा कुत्तों को बना चुका है शिकार

बरखेड़ा (पीलीभीत)। बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बर्रामऊ में पिछले एक माह से तेंदुए की लगातार चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। तेंदुआ खेतों और आबादी के आसपास दिखाई दे रहा है, जिससे खेती-किसानी के काम प्रभावित हो रहे हैं। खासकर रात के समय तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीण घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ अब तक 10 से अधिक आवारा कुत्तों को अपना शिकार बना चुका है। कई बार खेतों की ओर जाने वाले रास्तों पर तेंदुए के पदचिह्न भी देखे गए हैं। रात्रि के समय आबादी के पास उसकी चहलकदमी देखे जाने से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वन विभाग की ओर से तेंदुए को पकड़ने के लिए गांव के पास पिंजरा लगाया गया, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। तीन दिन पहले तेंदुआ पिंजरे के पास तक पहुंचा था, जिसकी तस्वीर कैमरे में कैद भी हुई है, बावजूद इसके तेंदुए को पकड़ने के लिए सक्रिय प्रयास नहीं किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि पिंजरे और कैमरे की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है। मौके पर वन विभाग की मौजूदगी बेहद कम रहती है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते तेंदुए को नहीं पकड़ा गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ाई जाए, पिंजरे की निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाए और तेंदुए को शीघ्र पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि गांव में फैले भय का माहौल समाप्त हो सके।

लव जिहाद के आरोपी डॉक्टर के घरों पर नोटिस चिपकाया

लखनऊ। लखनऊ केजीएमयू में लव जिहाद के आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन के खिलाफ पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को लखनऊ, पीलीभीत और उत्तराखंड में उसके तीन ठिकानों पर कुर्की के नोटिस चस्पा किए गए। चौक पुलिस की टीमें लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित फ्लैट, पीलीभीत के न्यूरिया स्थित पैतृक आवास और उत्तराखंड के खटीमा स्थित मकान पर पहुंचीं। तीनों जगहों पर कुर्की के नोटिस लगाए गए। पुलिस ने पीलीभीत और उत्तराखंड पुलिस से आरोपी की संपत्तियों का पूरा ब्योरा भी जुटाया। पुलिस का कहना है कि आरोपी रमीज लगातार फरार चल रहा है।

कानपुर : 7 बच्चों की मां की हत्याकर प्रेमी ने दफनाया

कानपुर। कानपुर में 7 बच्चों की मां को उसके प्रेमी ने मारकर जमीन में दफना दिया। 10 महीने तक राज छिपाकर रखा। इसका खुलासा तब हुआ, जब महिला अपने बेटे के बुलाने पर शादी में घर नहीं पहुंची। बेटा प्रेमी के घर पहुंचा, तो मां नहीं मिली। प्रेमी से पूछा तो उसने कहा- तुम्हारी मां अब कभी नहीं आएगी। इसके बाद बेटे ने शक के आधार पर प्रेमी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रेमी को पकड़कर सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस को बताया- पति की मौत के बाद महिला मेरे साथ रहती थी। मैं उसे छोड़ना चाहता था। उसे भाई के साथ रहने को कहता, लेकिन उसने मेरी बात नहीं मानी। इसके बाद मैंने गला दबाकर उसे मार डाला।प्रेमी की निशानदेही पर एसीपी कृष्णकांत यादव फोर्स के साथ उसके गांव पहुंचे। गांव में बुधवार 11 बजे रात टावर के नीचे जमीन खोदी गई। टार्च की लाइट में 7 फीट गड्ढा खोदने पर महिला का कंकाल बरामद हुआ। कंकाल बैठी हुई स्थिति में था। फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए। इसके बाद कंकाल को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मामला सजेती थाना क्षेत्र के टिकवांपुर गांव का है।

सहारनपुर में रोडवेज कर्मचारियों ने बाप-बेटों को घसीटकर पीटा

सहारनपुर। सहारनपुर में रास्ते पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर बस और कार सवार में झड़प हो गई। कार सवार युवक ने रास्ते से बस हटाने को कहा। आरोप है कि गुस्से में बस के ड्राइवर और क्लीनर ने उसकी गाड़ी के सामने बस खड़ी कर दी। गाली देते हुए कार से बाप और उसके दो बेटों को खींचकर डिपो ले गए। गेट बंद कर दिया। उसके बाद बाप-बेटों को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया। दोनों खुद को छोड़ने के लिए गुहार लगाने लगे। लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा। जमीन पर घसीट-घसीटकर पीटा।

शोर सुनकर आधे घंटे बाद डिपो पहुंचे। गेट का ताला खुलवाकर दोनों को बाहर निकलवाया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। आरोपी बस ड्राइवर और क्लीनर को पकड़कर पूछताछ के लिए थाने लेकर आई। घटना गुरुवार को थाना फतेहपुर क्षेत्र की है।

आईजी आरएस निस्तारण में ललितपुर पुलिस को मिला प्रथम स्थान

प्रदेश में समस्त थानों की रैकिंग में भी जनपद के 13 थानों को मिला प्रथम स्थान

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली से प्राप्त शिकायतों को उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में माह दिसम्बर-2025 की प्रदेश रैंकिंग में जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन में प्रदेश के सभी 75 जिलों में जनपद

ललितपुर को प्रथम स्थान तथा थाना रैकिंग में जनपद ललितपुर के 13 थानों को शत-प्रतिशत कार्यवाही के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है । जनपद ललितपुर पुलिस द्वारा मा0 मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, ऑनलाईन प्राप्त शिकायतों, समाधान दिवस, उच्चाधिकारीगण आदि पटलों से प्राप्त शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया गया ।इस परिणाम के लिए पुलिस अधीक्षक, जनपद ललितपुर ने IGRS से जुड़े सभी अधिकारी/कर्मचारीगण को पूरी लगन व मेहनत से कार्य हेतु भूरि-भूरि प्रशंसा की है तथा 25 हजार रुपये की धनराशि के पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा निकट भविष्य में इसी प्रकार पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया ।प्रथम रैंक प्राप्त थानों का नाम कोतवाली ललितपुर जखौरा मड़ावरा मदनपुर नाराहट पूराकला बार पाली महरौनी तालबेहट सौजना गिरार महिला थाना ललितपुर IGRSटीम का विवरण उ. नि. राज किशोर मिश्रा प्रभारी IGRS सेल ललितपुर महिला कां. सोनम गोयल कां. गौरव शर्मा कां. आशीष म. कां. पल्लवी IGRS सेल जनपद ललितपुर ।

यातायात पुलिस ने यातायात नियमों के पालन के लिए वाहन चालकों को किया जागरूक

ललितपुर। यातायात पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत, तेरई फाटक चौकी क्षेत्र में जन चौपाल के माध्यम से वाहन चालकों/आमजनमानस को जागरूक किया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ललितपुर एवं चौकी प्रभारी तेरई फाटक द्वारा चौकी क्षेत्र में जन चौपाल के माध्यम से वाहन चालकों/आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात

नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया ।अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें । वाहन चलाते समय हेडलाइट, फॉग लाइट एवं रिफ्लेक्टर का सही प्रयोग करें, हाई बीम का अनावश्यक उपयोग न करें तथा दृश्यता कम होने पर सावधानीपूर्वक वाहन संचालित करें।

शाह के संभावित दौरे से पहले 150 कमांडो मथुरा पहुंचे

मथुरा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का मथुरा आ सकते हैं। हालांकि, इसकी तारीख अभी घोषित नहीं आई है। इससे पहले सुरक्षा एजेंसियों ने मॉक ड्रिल की। 150 से अधिक एनएसजी कमांडों हथियार लेकर आधी रात बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। इलाके की लाइट काट दी गई। एनएसजी कमांडो ने मंदिर को चारों तरफ से घेर लिया। कोने-कोने की तलाशी ली गई। आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ की गई। संदिग्धों को पकड़ा गया। आईईडी ब्लास्ट होने पर तत्काल कैसे राहत पहुंचाई जाए, इसकी प्रैक्टिस की गई। फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को फोन कर बांके बिहारी मंदिर में ब्लैक आउट की जानकारी दी गई। सूचना मिलने के 10 मिनट के अंदर ही फायर ब्रिगेड की टीम और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई।

महिलाओं-बालिकाओं को हेल्प लाइन नंबरों की दी जानकारी

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की।

शार्ट न्यूज

वांछित आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा

गाजीपुर। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दुल्लहपुर पुलिस ने वांछित और खतरनाक अभियुक्त को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है ।8 जनवरी को पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ौरा से सत्यम खरवार (22 वर्ष) पुत्र तेरस खरवार, निवासी ग्राम रेकवारेडिह थाना सरायलखन्सी जनपद मऊ को दबोच लिया अभियुक्त पर विभिन्न थानों में गंभीर मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मु0अ0सं0 238/25 धारा 304, 317(2) बी.एन.एस. थाना दुल्लहपुर के साथ-साथ मऊ जिले में दर्ज 3 अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था। कार्रवाई के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक एदद ओप्पो मोबाइल और एक मोटरसाइकिल अपाचे न0 यूपी 54 ए आर 3536 बरामद की गई। थाना दुल्लहपुर के एसआई प्रेम प्रकाश पाण्डेय मय हमराह की तत्परता और सघन कार्यवाही के चलते अभियुक्त को दबोचकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में खलबली मची है और आमजन में कानून-व्यवस्था के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है।

बरेली-नैनीताल मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

बहेड़ी। बरेली के बहेड़ी में नैनीताल मार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक पिता और उसके दो बेटों की मौत हो गई। गुड़वारा गांव के पास एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान देवरनिया क्षेत्र के इटोआ गांव निवासी 55 वर्षीय पप्पू, उनके 15 वर्षीय बेटे विशाल और 20 वर्षीय बेटे विवेक के रूप में हुई है। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की चाची सरोज ने बताया कि पप्पू अपने दोनों बेटों विशाल और विवेक के साथ सुबह करीब 8 बजे बाइक से मजदूरी करने किच्छा जा रहे थे। गुड़वारा गांव के पास घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों की जेब से मिले कागजातों के आधार पर उनके परिजनों को सूचित किया। मृतक पप्पू के छह बच्चे थे। इस हादसे में पिता और दो बेटों की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

घर में घुसा तेंदुआ 9 घंटे बाद पकड़ा गया

प्रयागराज। प्रयागराज में एक घर में तेंदुआ घुस गया। करीब 9 घंटे तक वह घर में ही घुसा रहा। इस दौरान खिड़की से देख रहे लोगों पर तेंदुआ गुर्राता रहा। इसी बीच कानपुर से आई डॉक्टरों की टीम घर में घुसी। फिर काफी मशक्कत के बाद तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया गया। इस बीच, वन विभाग और 4 थानों की फोर्स मौके पर मौजूद रही। वन विभाग ने घर के चारों तरफ जाल बिछा दिया। गांववालों की भी भीड़ लग गई। एहतियातन इलाके की घेराबंदी की गई। पुलिस, वन विभाग और जिला प्रशासन के करीब 150 कर्मचारी-अफसर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे। मामला झूंसी थाना क्षेत्र के छिबैया गांव का है। दरअसल, गुरुवार सुबह तेंदुआ गांव के पास एक तालाब के पास था। वहां कुछ लोगों ने उसे देखा। उसके बाद गांव के लोग जुट गए। इसी दौरान किसी ने तेंदुए को पत्थर मार दिया। इसके बाद तेंदुआ गुर्राते हुए भीड़ की तरफ मुड़ा। लोग जान बचाकर भागे। तेंदुआ गांव की ओर भागा और चंद्रशेखर सिंह के घर में घुस गया। घर में चंद्रशेखर, 2 महिलाएं और 2 बच्चे थे। चंद्रशेखर सिंह ने बताया- मैंने किसी तरह अपने परिवार के सभी लोगों को घर से बाहर निकाला।

गोरखपुर मुठभेड़ में पकड़ा गया बदमाश

गोरखपुर। गोरखपुर के बेलघाट थाना क्षेत्र के शंकरपुर बाजार में गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रोकने की कोशिश की। इसके बाद युवक बाइक लेकर भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पकड़े जाने के बाद उसने खुद को छुड़ाने के लिए पिस्टल के बट से एक दरोगा और सिपाही पर हमला करके घायल कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर एक पिस्टल और बाइक बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सिकरीगंज थाना क्षेत्र के पकड़ी घाट डेबरी निवासी 22 वर्षीय राजमणि यादव के रूप में हुई है। गुरुवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजवा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात डेढ़ बजे बेलघाट थाने के दरोगा संजीव कुमार अपनी टीम के साथ चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए गश्त पर थे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के बहादुरपुर अंडरपास और एकौना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक हेलमेट पहने मोटरसाइकिल सवार युवक पुलिस को देखकर भागने लगा।

दादी की तेरहवीं वाले दिन पोती की मौत

सुलतानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को एक रेल हादसे में 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। यह घटना उस दिन हुई जब किशोरी के घर उसकी दादी की तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महारानी पश्चिम गांव निवासी धनीराम की पुत्री शिवानी (15) गुरुवार को चांदा-पट्टी मार्ग स्थित सुलतानपुर-जौनपुर रेलखंड पर रेलवे पटरी पार कर रही थी। इसी दौरान वह तेज रफ्तार से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचित किया। चांदा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मृतका शिवानी प्रतापपुर कमैचा क्षेत्र स्थित पंडित मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा थी। वह पढ़ाई में होनहार बताई जा रही थी।

दुर्घटना में घायल व्यक्ति के मदद करके बनें राहवीर, पाएं 25000 का पुरस्कार

ललितपुर। यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत, तेरई फाटक चौकी क्षेत्र में जन चौपाल के माध्यम से वाहन चालकों/आमजनमानस को किया गया जागरूक। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ललितपुर एवं चौकी प्रभारी तेरई फाटक द्वारा चौकी क्षेत्र में जन चौपाल के माध्यम से वाहन चालकों/आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया । अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें ।

लखनऊ में 20 ठेले और 30 दुकान हटाई

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने गुरुवार को शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चले अभियान का उद्देश्य मुख्य सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराना था। ताकि लोगों को सुरक्षित यातायात की सुविधा मिल सके। जोनल अधिकारी अमर जीत यादव के नेतृत्व में गढ़ी पीर खाँ और बालागंज क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क और फुटपाथ पर लगाए गए 20 ठेले, 6 गुमटी और 30 अस्थाई दुकानें हटाई गई। नगर निगम टीम ने मौके से लकड़ी के तख्त, लोहे की मेज, प्लास्टिक कुर्सियां, फ्लैक्स बोर्ड, पाइप, कैरेट और ड्रम सहित बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया। इसके साथ ही गोमतीनगर में अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ नगर निगम की टीम ने एक्शन लिया। अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालों को सख्त चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप के दूत विटकॉफ से मिले जेलेंस्की, समर्थन के लिए यूएस को कहा धन्यवाद

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को पेरिस में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण जैसे अहम मुद्दों पर विचार किया। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इसे युद्ध समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है। आगे जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि सात जनवरी को पेरिस में दोनों देशों की टीमें फिर से सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति के लिए बुनियादी ढांचे पर काम जारी रखेंगी। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन की ओर से कार्यालय प्रमुख किरिलो बुडानोव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तेम उमेरोव, जनरल आंद्रेई ह्नातोव, कार्यालय के पहले उप प्रमुख सर्गी किसलित्स्या और राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार ओलेक्सांद्र बेव्ज शामिल थे। वहीं इस बैठक के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने कहा कि उनकी टीम ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल और 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के साथ बैठक की, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना को आगे बढ़ाया जा सके। अब बात अगर बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बात करें तो ट्रंप की तरफ से जैरेड कुश्नर, जनरल एलेक्स ग्रिंकेविच, एम्बेसडर चार्ल्स कुश्नर और व्हाइट हाउस सलाहकार जोश ग्रुएनबाम इस बैठक में शामिल थे।

मादुरो की गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला के 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए, कुल आंकड़ा 50 के पार

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में वेनेजुएला के कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इससे मरने वालों की आधिकारिक संख्या करीब 56 हो गई है। इनमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी दोनों शामिल हैं। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने मंगलवार को कहा कि दर्जनों अधिकारी और नागरिक मारे गए और अभियोजक इन मौतों की जांच करेंगे। साब ने अमेरिकी अभियान को युद्ध अपराध करार दिया। इससे पहले क्यूबा की सरकार ने रविवार को एलान किया कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला में काम कर रहे उसके 32 सैनिक और पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा ने कहा कि ये सैनिक वेनेजुएला में काम कर रहे थे। वेनेजुएला की सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अमेरिकी हमले में मारे गए सैनिकों की तस्वीरें दिख रही हैं। शनिवार को अमेरिका ने वेनेजुएला पर एक विशेष सैन्य अभियान के तहत हमला किया। इस कार्रवाई के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को राजधानी काराकास से पकड़ लिया गया और उन्हें गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि इस ऑपरेशन में अमेरिका की तरफ कोई मौत नहीं हुई, सिर्फ कुछ सैनिक घायल हुए। ट्रंप ने इसे बेहद जटिल लेकिन सफल ऑपरेशन बताया और अमेरिकी सेना की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब वेनेजुएला को अस्थायी रूप से चलाएगा, जब तक वहां सुरक्षित और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता।

कनाडा में मोहाली के स्टूडेंट की मौत : पैदल ही जा रहा, कार ने मारी टक्कर, पुलिस खंगाल रही डैशकैम फुटेज

मोहाली, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक सड़क हादसे में पंजाब के मोहाली जिले की लालड़ू मंडी निवासी 22 वर्षीय छात्र अरमान चौहान की मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी को ओंटारियो के हाईवे-401 पर क्रामेह टाउनशिप के पास हुई। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जिसके चलते ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस (ओपीपी) मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, अरमान अपने एक दोस्त के साथ मॉन्ट्रियल से टोरंटो की ओर जा रहा था। हालांकि, हादसे के समय अरमान के पैदल चलने की बात सामने आई है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह व्यस्त हाईवे पर पैदल किन परिस्थितियों में पहुंचा। जांच एजेंसियां इसी बिंदू को लेकर असमंजस में हैं। ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस को सूचना मिली थी कि हाईवे की पश्चिमी लेन में एक कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मारी है। मौके पर पहुंची पुलिस को मीडियन के पास एक कार खड़ी मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अरमान की जान उसी कार की टक्कर से गई या किसी अन्य वाहन की चपेट में आने से। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और डैशकैम फुटेज के जरिए पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी: कहा- हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ

बोगोटा, एजेंसी। पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया। गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं। मादुरो ने कहा था कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। इसके जवाब में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि और बढ़ा दी थी।

अमेरिका ने हमला किया तो भड़क सकती है गुरिल्ला जंग: पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उसके आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा। पेट्रो ने यह भी कहा कि अगर ऐसे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिसे देश की बड़ी आबादी पसंद करती है और सम्मान देती है, तो जनता का गुस्सा फूट सकता है। गुस्तावो पेट्रो ने यह भी कहा कि वे खुद पहले गुरिल्ला आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं और

उन्होंने 1990 के दशक में हथियार छोड़ दिए थे। उन्होंने कहा कि मैंने कसम खाई थी कि अब कभी बंदूक नहीं उठाएंगे, लेकिन अगर देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो वे फिर से हथियार उठा सकते हैं।

ट्रम्प ने कोलंबिया को बीमार देश बताया था : इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

कोलंबिया बोला- किसी को धमकी देना सही नहीं : कोलंबिया सरकार ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बातचीत, सहयोग और आपसी सम्मान में विश्वास रखती है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को धमकी देना या ताकत का इस्तेमाल करना सही नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबियाई राष्ट्रपति पेट्रो और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर ड्रग तस्करी से जुड़े संबंधों के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए थे। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश माना जाता है। कोकीन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कोका पौधा कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में उगाया जाता है।

व्हाइट हाउस ने मादुरो से जुड़ा वीडियो शेयर किया : व्हाइट हाउस ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें मादुरो के पुराने बयानों और अमेरिकी कार्रवाई के वीडियो दिखाए गए। इस वीडियो में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की टिप्पणी भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने कहा कि मादुरो को मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने उसे गंवा दिया और अब उन्हें इसके नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं। इस वीडियो में मादुरो को अमेरिका को चुनौती देते हुए दिखाया गया है। इसके साथ ही उस सैन्य कार्रवाई की फुटेज भी शामिल है, जिसमें अमेरिकी सेना ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने के लिए छापा मारा। यह वीडियो कुल 61 सेकंड का है। वीडियो में राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के सीन भी दिखाए गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से की मुलाकात

लक्जमबर्ग सिटी, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर लक्जमबर्ग के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात की। जयशंकर ने गुइलौम से मुलाकात की तस्वीर भी साझा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भारत के प्रति उनकी सकारात्मक भावनाओं और हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के उनके दृष्टिकोण की मैं सराहना करता हूँ। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और लक्जमबर्ग फिनटेक, स्पेस, डिजिटल दुनिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में और ज्यादा प्रोडक्टिव तरीके से सहयोग कर सकते हैं। लक्जमबर्ग के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ अपनी मीटिंग के दौरान ईएएम एस जयशंकर ने भरोसा जताया कि दोनों देशों को इन चर्चाओं से फायदा हो सकता है। ईएएम जयशंकर ने कहा, 'मैं देख सकता था कि यहां हमारा एक बहुत सक्रिय समुदाय है। लेकिन, आप जानते हैं कि हमारे पास जो बहुत सॉलिड ट्रेड अकाउंट है।

पीएम मोदी के मुकाबले ट्रंप कमजोर, पलटे जा सकते हैं फैसले; एक्सपर्ट ने क्यों कहा ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वाइट हाउस की नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्रेमर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला से मिलने वाले अल्पकालिक लाभ दीर्घकालिक नहीं रह सकते, क्योंकि ट्रंप का कार्यकाल सीमित है और उनके उत्तराधिकारी उनके कई फैसलों को पलट सकते हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना में ट्रंप की स्थिति को कमजोर बताया। मोदी अपनी लोकप्रियता के बल पर 10 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं, जबकि ट्रंप अलोकप्रिय हैं, 80 वर्ष के हैं और 2029 में पद छोड़ देंगे। ब्रेमर का मानना है कि अमेरिका में हर चार साल में होने वाला नेतृत्व परिवर्तन नीतियों में निरंतरता की कमी पैदा करता है, जो चीन, रूस या भारत जैसे देशों में नहीं देखी जाती।

इंडिया टुडे से बातचीत में ब्रेमर ने बताया कि ट्रंप का उत्तराधिकारी उनके कई कार्यों को उलट सकता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती के साथ किया। ब्रेमर ने कहा कि चीन, रूस और भारत के विपरीत, अमेरिका में हर चार साल में नेतृत्व बदलने से सरकारी नीतियों में निरंतरता नहीं रहती, जिसके परिणाम आने में समय लगता है।

ब्रेमर ने आगे कहा कि खैर, अगला राष्ट्रपति ट्रंप के कई फैसलों को पलट सकता है। यह शी जिनपिंग नहीं हैं।

ये मोदी भी नहीं हैं, जो भारत में 10 साल से अधिक समय से शासन कर रहे हैं और एक लोकतंत्र में काफी लोकप्रिय हैं। ये ट्रंप हैं, जो काफी अलोकप्रिय हैं, 80 साल के हैं और तीन साल में सत्ता से बाहर हो जाएंगे। ब्रेमर ने कहा कि वैश्विक तेल कीमतें, वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिरता और ट्रंप के बाद का युग कैसा होगा, ये सभी तय करेंगे कि अमेरिका को कराकास के विशाल तेल भंडार से दीर्घकालिक लाभ मिलेगा या नहीं। तेल की बात करें तो आप जानते हैं कि वेनेजुएला इस समय प्रतिदिन केवल लगभग 8 लाख बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। यह पहले 30 लाख बैरल हुआ करता था। लेकिन इसे बढ़ाने के लिए राजनीतिक स्थिरता की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि आपको एक ऐसे आर्थिक वातावरण की आवश्यकता है जिसमें तेल कंपनियां भरोसा कर सकें।

आयरिश उपन्यास 'द गैडफ्लाई' से शी जिनपिंग को मुश्किल वक्त में मदद मिली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन से मुलाकात के दौरान अपनी जिंदगी से जुड़ी एक खास बात साझा की। उन्होंने बताया कि किशोर उम्र में जब वे अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब एक आयरिश उपन्यास ने उन्हें मानसिक सहारा दिया था। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में सोमवार सुबह हुई इस मुलाकात में आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शी जिनपिंग से कहा कि उन्होंने भी वही किताब अपने युवाकाल में पढ़ी थी। उस किताब का नाम है 'द गैडफ्लाई', जिसे एथेल वोयनिच ने लिखा था। मार्टिन ने बताया कि इस किताब ने उन पर भी गहरा असर डाला था। माइकल मार्टिन ने कहा कि यह एक संयोग था कि दोनों ने एक ही किताब किशोर उम्र में पढ़ी और दोनों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास इस किताब का पहला संस्करण है, जो उन्हें उनके एक रिश्तेदार ने भेंट किया था। 'द गैडफ्लाई' उपन्यास 1897 में प्रकाशित हुआ था। इसकी कहानी 1830 और

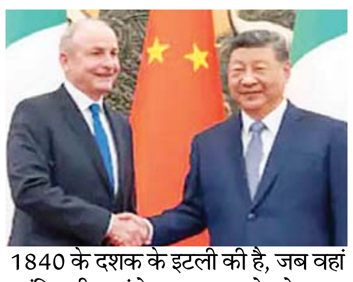

1840 के दशक के इटली की है, जब वहां क्रांतिकारी आंदोलन चल रहे थे। यह किताब आजादी, संघर्ष और साथ मिलकर लड़ने की भावना को दिखाती है। इसी वजह से यह किताब आयरलैंड के राष्ट्रवादियों और बाद में सोवियत यूनियन और चीन के कम्युनिस्टों के बीच भी काफी लोकप्रिय रही। रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग के पिता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता थे। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान उनके पिता को पद से हटा दिया गया, जिसके बाद शी जिनपिंग को किशोर उम्र में गांव भेज दिया गया। वहां उन्होंने खेतों में मजदूरी की और रात में एक गुफा में सोया। बाद में शी जिनपिंग ने इस दौर को अपनी जिंदगी के लिए बहुत अहम बताया।

नेपाल में ओली-प्रचंड और देऊबा की पार्टियों में गठबंधन संभव

सीट बंटवारे और स्ट्रैटजी पर बातचीत जारी, 20 दिन बाद ऊपरी सदन का चुनाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली में तीन पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पार्टियां गठबंधन की तैयारी कर रही हैं। ये गठबंधन संसद के ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' के लिए चुनाव के लिए हो सकता है। इस गठबंधन में मधेस क्षेत्र की पार्टी को भी शामिल करने पर विचार हो रहा है। नेपाली अखबार द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे और साझा रणनीति पर बात हो रही है। यह चुनाव 25 जनवरी को होना है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इस बार 4 मार्च को 18 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इन्हीं खाली होने वाली सीटों को भरने के लिए चुनाव कराया जाएगा।

शुरुआती बातचीत में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस को 7 सीटें, यूएमएल को 6 सीटें, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 4 सीटें और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल को 1 सीट मिल सकती है। इस बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। वहीं यूएमएल ने भी अपने उम्मीदवार तय करने के लिए मंगलवार को पार्टी सचिवालय की बैठक बुलाई है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक सभी उम्मीदवारों को बुधवार यानी 7 जनवरी को नामांकन दाखिल करना होगा। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है।

आम चुनाव के लिए भी बातचीत जारी : कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने बताया कि संविधान बनाने में शामिल राजनीतिक ताकतें राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए एकजुट होने पर सहमत हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की ओर से खड्का ने पहले भी केपी शर्मा ओली से गठबंधन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि कांग्रेस और यूएमएल के बीच आने वाले संसदीय चुनावों के लिए भी गठबंधन की चर्चा चल रही है, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव होने वाले हैं। इस दिन देश के नागरिक संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान करेंगे, जिसमें कुल 275 सदस्य चुने जाते हैं।

वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिकी संसद से लेकर सड़क तक मतभेद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी संसद में गंभीर मतभेद उभरते दिखे हैं। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में ट्रंप द्वारा सांसदों से परामर्श किए बिना इतना बड़ा कदम उठाने को एक नए युग के विस्तारवाद की शुरुआत माना जा रहा है। इस असंतोष को लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोमवार देर रात कांग्रेस नेताओं के सामने वेनेजुएला सैन्य अभियान की जानकारी पेश करनी पड़ी। उधर, इस कार्रवाई के विरुद्ध लोग सड़कों पर भी उतरे हैं।

अमेरिकी संसद में भी ट्रंप की कार्रवाई का विरोध : अमेरिकी कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप बिना परामर्श या कांग्रेस से अनुमति लिए अनुचित कदम उठा रहे हैं। इसी चिंता के बीच रिपब्लिकन नेता कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में बंद कमरे में हुई बैठक में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन सत्ता से हटाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए दाखिल हुए, लेकिन कई डेमोक्रेट्स ने सवाल उठाया कि वेनेजुएला तट पर नौसैनिक बेड़ा तैनात है, जबकि देश के घाटे में चल रहे तेल उद्योग में पुनर्निवेश जरूरी है। उनका कहना है कि युद्ध शक्ति प्रस्ताव पर कांग्रेस की मंजूरी बिना वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रतिबंधित है। अब सीनेट में इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा संभावित है।

ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति खतरनाक दृष्टिकोण : शूमर : सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने चेताया कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण की मात्र शुरुआत है, क्योंकि राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कोलंबिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड में अपनी रुचि का संकेत दे रहे हैं। उधर, सीनेट की विदेश संबंध समिति में वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य सीनेटर जीन शाहीन ने कहा, अभी भी कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। अमेरिका को वेनेजुएला घटनाक्रम की कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट, न्यूयॉर्क के सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, सांसदों को अंधेरे में रखा गया। अमेरिकी गवर्नर चुनावों में भी वेनेजुएला मुद्दा हावी है। कैंटुकी के सांसद थॉमस मैसी और ट्रंप का समर्थन प्राप्त सेवानिवृत्त नौसेना सील अधिकारी एड गैलरेन आमने-सामने हैं। मैसी ने मादुरो को पकड़ने की निंदा की। हमने इसके लिए ट्रंप को वोट नहीं दिया था। यूएन ने वेनेजुएला मुद्दे पर दुख जताते हुए अस्थिरता की आशंका जताई। यूएन की राजनीतिक व शांति निर्माण मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी ए. डिकार्लो ने सुरक्षा परिषद की बैठक में इस स्थिति को गंभीर समय करार देते हुए कहा, अमेरिकी कार्रवाई के बाद हताहतों की संख्या अभी तक स्पष्ट नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी; चोरी के शक में पीछा, नहर में छलांग लगाने से गई जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर लक्षित हमलों की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरी के संदेह में भीड़ के पीछा करने से बचने के लिए 25 वर्षीय हिंदू युवक मिथुन सरकार ने नहर में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार दोपहर भंडारपुर गांव के निवासी मिथुन का शव बरामद किया। यह घटना पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा में तीव्र वृद्धि के बीच हुई है। मिथुन सरकार की मौत पिछले कुछ दिनों में सामने आई क्रूर हमलों की श्रृंखला में यह नई घटना है।

हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद ने एक बयान जारी कर दिसंबर महीने में कम से कम 51 लक्षित घटनाओं का खुलासा किया है, जिनमें 10 हत्याएं शामिल हैं। परिषद ने आगजनी, बलात्कार और लूटपाट के मामलों का विस्तृत विवरण देते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है कि ये अत्याचार 12 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होते हैं। परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश ने पहले भी राजनीतिक उथल-पुथल का सामना किया है, लेकिन वर्तमान समय में संस्थागत कमजोरी और बढ़ती सांप्रदायिक चिंता का खतरनाक संयोजन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब उस समय हो रहा जब देश 12 फरवरी 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों पर हमलों में तेजी आई है।

पिछले कुछ दिनों में हुई अन्य घटनाएं...

5 जनवरी को जेसोर जिले में हिंदू व्यापारी और समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक राणा कांति बैरागी की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही नरसिंगदी में किराने की दुकान मालिक मोनी चक्रवर्ती की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या

3 जनवरी को शरियतपुर जिले में खोकोन चंद्र दास पर हमला, इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

इससे पहले दिसंबर में राजबारी में अमृत मंडल की पीट-पीटकर हत्या और मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या कर शव जलाने की घटनाएं सामने आई थीं।

अमेरिका पहुंचेगा वेनेजुएला का 50 मिलियन बैरल तेल, दोनों देशों को होगा फायदा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रंप के अनुसार, यह कदम वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के हित में होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा और वह व्यक्तिगत रूप से देखेंगे कि राजस्व का उपयोग कैसे किया जाता है।। उन्होंने लिखा कि इस पैसे का उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों की भलाई के लिए किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना पर तुरंत अमल करने का निर्देश दिया है। उनके अनुसार, तेल को स्टोरेज जहाजों पर लोड किया जाएगा और सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका में अनलोडिंग डॉक तक पहुंचाया जाएगा। ट्रंप ने साफ कहा कि तेल बाजार कीमत पर ही बेचा जाएगा और इससे मिलने वाले धन पर नियंत्रण अमेरिका के राष्ट्रपति के पास रहेगा। यह घोषणा अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया और काराकस में सत्ता परिवर्तन हुआ। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि अब वेनेजुएला में तेल, व्यापार और सुरक्षा जैसे मामलों में शर्तें अमेरिका तय करेगा। ट्रंप के इस बयान पर पूरी दुनिया का ध्यान गया, क्योंकि वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है। हालांकि, प्रतिबंधों, खराब प्रबंधन और निवेश की कमी के कारण वहां तेल उत्पादन काफी गिर गया है।

गौरतलब है कि भारत भी एक समय वेनेजुएला का बड़ा तेल खरीदार था, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते 2019 में भारतीय रिफाइनरियों को वहां से तेल खरीदना बंद करना पड़ा। तब से, भारत मध्य पूर्व, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका से

तेल पर अधिक निर्भर हो गया है। अगर वेनेजुएला का इतना बड़ा तेल अमेरिका भेजा जाता है, तो वैश्विक कच्चे तेल के प्रवाह का स्वरूप बदल सकता है। वेनेजुएला का भारी तेल अमेरिका के खाड़ी तट की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो पहले लैटिन अमेरिका और कनाडा से तेल आयात पर निर्भर थीं।

इस योजना के आगे बढ़ने पर चीन तक पहुंचने वाले वेनेजुएला के तेल की मात्रा भी कम हो सकती है, क्योंकि अभी चीन वहां का सबसे बड़ा खरीदार है। वैश्विक तेल आपूर्ति में किसी भी बदलाव से कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों में इस पर खास नजर रखी जाती है, क्योंकि देश को बड़ी मात्रा में आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना पड़ता है।

ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक और रणनीतिक फैसला बताया है। उनका कहना है कि वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का ज्यादा नियंत्रण होने से आपराधिक नेटवर्क कमजोर होंगे और क्षेत्र में स्थिरता आएगी। ट्रंप के अनुसार, इस योजना को तुरंत लागू किया जाएगा।

वेनेजुएला के तेल सेक्टर में निवेश करेगा अमेरिका : मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। इससे वेनेजुएला को दोबारा तेल उत्पादन से कमाई शुरू करने में मदद मिलेगी। फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब तेल बेचने के कारोबार में है और अन्य देशों को भी तेल सप्लाई करेगा। उन्होंने कहा कि खराब ढांचे की वजह से वेनेजुएला खुद ज्यादा तेल नहीं निकाल पा रहा था। इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में यह कहा था कि हमें डेल्सी रोड्रिग्ज के जरिए वेनेजुएला तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रम्प ने वेनेजुएला को मरा हुआ देश बताते हुए कहा कि उसे दोबारा खड़ा करना जरूरी है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 09 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वाड्र्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वाड्र्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वाड्र्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वाड्र्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

–विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड

34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस)। इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये हैं उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए। स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013-14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे। अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4- । से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

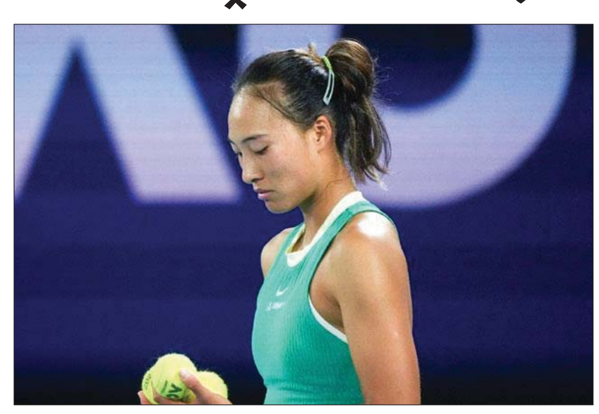

वुहान। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन। एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

एसबीआई फोकस्ड फंड, लंबी अवधि का निवेश बनाता है करोड़पति

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन असली फायदा लंबे समय तक निवेश बनाए रखने से मिलता है। एसबीआई फोकस्ड फंड इसका बेहतरीन उदाहरण है। यह फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन करता आया है और निवेशकों को समय के साथ मजबूत कॉर्पस बनाने में मदद करता है। अगर किसी निवेशक ने 20 साल पहले हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 1.54 करोड़ रुपए बन चुका होता। यह साबित करता है कि नियमित निवेश और कंपाउंडिंग समय के साथ कितना प्रभावशाली हो सकता है। बीते 3, 5, 10 और 20 वर्षों में फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 16 फीसदी से अधिक का सालाना रिटर्न दिया। 3 साल की एसआईपी पर 18.56, 5 साल पर 16.04 और 10 साल पर 16.09 फीसदी सीएजीआर मिला। फंड का लंपसम निवेश में भी मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आम निवेशकों के लिए एसआईपी ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीका है, क्योंकि यह बाजार की उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

भारत फंसे कर्ज घटाने में दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली ।

जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में भारतीय बैंकों का फंसा कर्ज (एनपीए) घटकर 2-4 फीसदी पर आ गया है। 2015 में यह 5.9 फीसदी था। पिछले एक दशक में 3.5 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज है। बैंकों ने कर्ज वसूली और एनपीए प्रबंधन के लिए कड़े उपाय अपनाए हैं। साथ ही आरबीआई की निगरानी, वित्तीय संस्थानों की सुधार प्रक्रिया और स्वच्छ कर्ज नीति ने भी योगदान दिया। एनपीए में गिरावट न केवल बैंकिंग क्षेत्र की वित्तीय सेहत सुधारती है, बल्कि यह पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत भी है। विशेषज्ञ इसे बैंकिंग सुधार का सबसे बड़ा उदाहरण मान रहे हैं।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय` रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

दिसंबर 2025 में सोना-चांदी के ईटीएफ में एयूएम 2 लाख करोड़ के पार

साल की शुरुआत में एयूएम केवल 57,000 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) की संयुक्त प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दिसंबर 2025 में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार चली गईं। साल की शुरुआत में यह केवल 57,000 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर तक लगभग दोगुनी होकर 1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। केवल चार महीनों में एयूएम में इतनी तेजी रिकॉर्ड निवेश और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण हुई। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में 11,700 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 4,700 करोड़ रुपये हुआ। 2025 में कुल शुद्ध निवेश गोल्ड ईटीएफ में 43,000 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ में 24,200 करोड़ रुपये रहा। गोल्ड ईटीएफ की निवेश दर म्युचुअल फंड श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। 2025 में सोने की कीमत में 75 फीसदी और चांदी की कीमत में 168 फीसदी की वृद्धि हुई। भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, डॉलर का नरम होना सोने की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। चांदी की कीमतों को मजबूत औद्योगिक मांग और आपूर्ति बाधाओं ने सहारा दिया। सोने के ईटीएफ फोलियो में पहले 11 महीनों में 53 फीसदी वृद्धि, जबकि चांदी में चार गुना वृद्धि दर्ज हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की यह तेजी दीर्घकालिक संरचनात्मक कारणों से प्रेरित है, और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल लंबे समय तक कायम रह सकता है।

भारत के ट्रैक्टर उद्योग ने 2025 में दर्ज की मजबूत बिक्री

996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, 2026 में भी मजबूत मांग की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का ट्रैक्टर उद्योग वित्त वर्ष कैलेंडर वर्ष 2025 को मजबूती के साथ समाप्त करने में सफल रहा। फाडा रिसर्च के अनुसार इस दौरान 996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, जो 2024 की 893,706 यूनिट की बिक्री से 11 प्रतिशत से अधिक है। बिक्री लगभग 10 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जिससे उद्योग की स्थिर मांग का संकेत मिलता है। मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, बेहतर ग्रामीण नकदी प्रवाह और अनुकूल फसल उत्पादन ने इस वृद्धि में योगदान दिया। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमऐंडएम) ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23.88 प्रतिशत कर ली, जबकि इसके स्वराज डिवीजन की हिस्सेदारी 18.72 प्रतिशत रही। दोनों ब्रांडों ने मिलकर साल भर उद्योग की बिक्री में 42 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स (सोनालिका) ने 126,741 यूनिट बेचीं, लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.72 प्रतिशत पर सीमित रही।

भारत में ईवी बाजार 2025 में तेजी से बढ़ा, बाजार मे प्रतिस्पर्धा बढ़ी

-यात्री वाहनों की बिक्री में 77 फीसदी की वृद्धि देखी गई

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 2025 में मजबूत बढ़त दर्ज कर रही है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के 99,875 से बढ़कर 176,817 हो गई, यानी 77.04 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, नए मॉडल और कंपनियों के प्रवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। टाटा मोटर्स ने 70,004 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो पिछले साल से 13.28 फीसदी अधिक हैं। इसके बावजूद, उसकी बाजार हिस्सेदारी 61 फीसदी से घटकर 39.6 फीसदी रह गई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 51,387 वाहन हो गई, जिससे उसकी हिस्सेदारी 21.8 फीसदी से 29.1 फीसदी तक पहुंची। महिंद्रा × महिंद्रा ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, बिक्री लगभग 5 गुना बढ़कर 33,513 वाहन हुई। प्रीमियम सेगमेंट में ह्युंडै, बीवाईडी, बीएमडब्ल्यू और किआ ने तीन अंकों में वृद्धि की, जबकि स्टेलेंटिस और वॉल्वो की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टीवीएस मोटर 298,881 वाहनों के साथ आगे रही, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 23.35 फीसदी तक बढ़ी। बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी की बिक्री 58.91 फीसदी बढ़कर 200,797 वाहन हो गई। इसके विपरीत, ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री आधी होकर 199,318 रह गई और बाजार हिस्सेदारी 35.47 फीसदी से घटकर 15.57 फीसदी हो गई। विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में और बदलाव संभव हैं, क्योंकि मारुति सुजूकी जैसे दिग्गज भी ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। 15 लाख रुपये से कम वाले सेगमेंट में नए विकल्पों ने मांग बढ़ाई है, जिससे दोनों यात्री और दोपहिया ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 780 अंक, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

निवेशकों के 4 दिन में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक नीचे आकर 84,180.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक फिसलकर 25,876.85 पर पहुंच गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार , निवेशकों के 4 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गये। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 दिन में 7.19 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर 474 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से , टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। आज वेदांता के शेयरों में सबसे अधिक 3.01 फीसदी की गिरावट रही और ये 603.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुस से तेल खरीदने पर 500 फीसदी शुल्क लगाने वाले बिल को लेकर भी निवेशकों में घबराहट है ओर वे बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। यह, साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के संबंध में कोई ठोस घोषणा न होने से, निवेशक घबरा रहे हैं। इससे भी बाजार गिरा है। इसी कारण बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट रही है। पिछले 4 दिन में ही सेंसेक्स में 1565 अंक से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, निफ्टी 50 में 1.70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार से रकम निकालते जा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कोई समर्थन न मिलने की वजह से गुरुवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई, जिससे कमोडिटी स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। हिन्दुस्तान जिंक के शेयर गुरुवार को 6 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। रूस प्रतिबंध अधिनियम ने नए सिरे से ट्रेड वार का डर खड़ा कर दिया है। बिल में रूस से क्रूड ऑयल का आयात करने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। मेगाकैप स्टॉक्स में गुरुवार को भी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इस हफ्ते की शुरुआत में इन दोनों दिग्गज स्टॉक्स में 4 फीसदी तक की गिरावट आई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,778.02 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 26,106 के स्तर पर खुला और खुलते ही 26,100 के नीचे फिसल गया।बाजार में फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही गतिविधि देखने को मिल रही है। वैश्विक स्तर पर बाजारों की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला से जुड़े हालिया कदमों पर टिकी हुई है।

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार
वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार को घरेलू बाजार में कमजोरी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1,37,750 रुपये जबकि चांदी 2,50,400 रुपये के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशक वैश्विक संकेतों और डॉलर में उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए हुए हैं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट गुरुवार को 13 रुपये की गिरावट के साथ 1,37,996 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,38,009 रुपये था। शुरुआती कारोबार के दौरान इसमें और दबाव देखने को मिला और यह 251 रुपये टूटकर 1,37,758 रुपये तक फिसल गया। दिन के कारोबार में सोने ने 1,37,996 रुपये का उच्च और 1,37,522 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले साल सोना 1,40,465 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 436 रुपये की बढ़त के साथ 2,51,041 रुपये प्रति किलो पर खुला। हालांकि शुरुआती तेजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और बाद में यह 184 रुपये की गिरावट के साथ 2,50,421 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान चांदी ने 2,51,889 रुपये का उच्च और 2,50,286 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी 2,59,692 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,467.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला, लेकिन बाद में 11.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,451.30 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 4,584 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 77.96 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर 0.30 डॉलर की तेजी के साथ 77.91 डॉलर प्रति औंस पर

कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी, पर आसान नहीं- सीईए

सात क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता जरूरी, तीन हाई-टेक क्षेत्रों में चुनौतियां बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश के लिए कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण अत्यंत आवश्यक है, हालांकि सभी क्षेत्रों में इसकी व्यावहारिकता समान नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम), बैटरी सेल व कैथोड मैटेरियल्स तथा सोलर वेफर्स और सोलर सेल्स जैसे तीन क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी तो है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता फिलहाल कम से मध्यम स्तर की है। आरईपीएम के वैश्विक उत्पादन में चीन का लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण है। इन मैग्नेट्स का उपयोग विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर सहित ऑटोमोबाइल कलपुर्जों में होता है। अप्रैल 2025 से चीन द्वारा भारत को आरईपीएम के निर्यात पर रोक लगाए जाने से घरेलू ऑटो उद्योग प्रभावित हो रहा है। सीईए ने सात ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां स्वदेशीकरण अत्यधिक जरूरी और अत्यधिक व्यावहारिक है। इनमें दालें, खाद्य तेल व तिलहन, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) और उर्वरक इनपुट्स के विकल्प शामिल हैं।

दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी वीवो कंपनी

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी वीवो जल्द ही अपने दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी में है। वीवो के दो डिवाइस, जिनके मॉडल नंबर वी237 और वी2561 बताए जा रहे हैं। ब्लूटूथ लिस्टिंग के मुताबिक इन स्मार्टफोन्स के नाम वीवो एक्स300 एफई और वीवो एक्स200 टी हो सकते हैं।

हालांकि कंपनी की ओर से अभी लॉन्च डेट को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन बीआईएस लिस्टिंग से यह साफ है कि भारत में इनकी एंट्री ज्यादा दूर नहीं है। लीक रिपोर्ट्स की मानें तो वीवो एक्स300 एफई को चीन में लॉन्च हुए एस50 प्रो मिनी का रीब्रैंडेड वर्जन बताया जा रहा है। इस फोन में 6.31 इंच का 1.5के रेजॉलूशन वाला ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की उम्मीद है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का 3गुणा पेरिस्कोप कैमरा शामिल हो सकता है, जबकि फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप में तीनों सेंसर 50 मेगापिक्सल के हो सकते हैं।

कीमत की बात करें तो वीवो एक्स 300 एफई करीब 60 हजार रुपये और एक्स200 टी लगभग 55 हजार रुपये के प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकता है। वहीं वीवो एक्स200 टी को एक्स200एस का रीब्रैंडेड वर्जन माना जा रहा है, जिसे चीन में अप्रैल 2025 में लॉन्च किया गया था। इसमें 6.31 इंच का 1.5के ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, डायमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और 6200 एमएएच की बैटरी मिल सकती है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च

नई दिल्ली।

साल 2026 में सैमसंग कंपनी ने दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह टीवी अब तक की सबसे बड़ी और सबसे एडवांस्ड डिस्प्ले तकनीक के साथ उपलब्ध है। टेलीविजन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सैमसंग ने एक बार फिर अपनी बढ़त साबित की है।

यह टीवी केवल साइज में बड़ा नहीं है, बल्कि कलर, कंट्रास्ट, शैडो डिटेल और ऑडियो एक्सपीरियंस के मामले में भी एक नया बेंचमार्क सेट करता है। सैमसंग का यह नया मॉडल नेक्सट जेनरेशन कलर प्रोसेसिंग, एचडीआर10 प्लस एडवांस्ड सपोर्ट, एआई-एक्सीलरेटेड कलर और ग्लारे फ्री टेक्नोलॉजी से लैस है, जो हर तरह के कंटेंट को ज्यादा रियल और इमर्सिव बनाता है। सैमसंग का 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी, मॉडल आर95एच, कंपनी की माइक्रो आरजीबी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा और प्रीमियम वर्जन है। इसमें इंडिविजुअली कंट्रोल होने वाली माइक्रो आरजीबी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पारंपरिक मिनी एलईडी या एलसीडी की तुलना में ज्यादा सटीक रंग और गहरा कंट्रास्ट देखने को मिलता है।

एआई-आधारित प्रोसेसिंग की मदद से खासतौर पर डार्क और लो-लाइट सीन में तस्वीरें ज्यादा नैचुरल और डिटेल्ड नजर आती हैं।

विजन एआई कॉमेनियन जैसे फीचर्स टीवी को स्मार्ट एंटरटेनमेंट हब में बदल देते हैं,

जहां एआई-बेस्ड सजेशन, लाइव ट्रांसलेशन और एडवांस साउंड कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

साउंड सिस्टम भी टीवी के फ्रेम में इंटीग्रेटेड है, जिससे पिक्चर और ऑडियो का तालमेल और ज्यादा प्रभावशाली बनता है।यह टीवी 100 प्रतिशत बीटी.2020 वाइड कलर गमट को सपोर्ट करता है, जिसे सटीक कलर रिप्रोडक्शन के लिए सर्टिफिकेशन भी मिला है।

युवाओं में 150-200सीसी बाइक सेगमेंट खासा लोकप्रिय

नई दिल्ली । भारतीय युवाओं में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट खासा लोकप्रिय रहा है। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट में कुल 1,75,805 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। नवंबर 2024 के मुकाबले यह करीब 20.44 प्रतिशत की सालाना बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, अक्टूबर 2025 में दर्ज 2,10,831 यूनिट्स की तुलना में नवंबर में लगभग 16.61 प्रतिशत की मासिक गिरावट देखी गई। यह गिरावट त्योहारों के बाद मांग के सामान्य स्तर पर लौटने का संकेत मानी जा रही है।

ब्रांड्स की बात करें तो टीवीएस अपाचे ने नवंबर में भी अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। इसकी बिक्री 48,764 यूनिट्स रही और सालाना आधार पर करीब 37 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, अक्टूबर के मुकाबले इसकी बिक्री में 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। बजाज पल्सर ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 45,246 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और यह मजबूत नंबर-2 बनी रही। अपाचे और पल्सर मिलकर इस सेगमेंट की आधे से ज्यादा बिक्री पर कब्जा जमाए हुए हैं। होंडा यूनिकॉर्न ने 32,968 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। इसकी बिक्री सालाना और मासिक दोनों स्तर पर स्थिर रही, जो इसकी भरोसेमंद छवि को दर्शाती है।

यामाहा की नई बाइक एक्सएसआर ने 16,359 यूनिट्स की बिक्री के साथ शानदार एंट्री की, जबकि एफझेड, आर 15 और एमटी-15 जैसे पुराने मॉडल्स की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा होंडा एसपी 160, हीरो एक्सपल्स 200 और होंडा हॉर्नेट 2.0 ने भी सालाना आधार पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं केटीएम, हीरो, सुजुकी और कावासाकी की बाइकों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। कुल मिलाकर, नवंबर 2025 में यह सेगमेंट सालाना मजबूती के साथ आगे बढ़ता नजर आया। हालांकि, त्योहारों वाले अक्टूबर महीने के मुकाबले बिक्री में कुछ गिरावट जरूर आई, लेकिन सालाना आधार पर ग्रोथ ने बाजार की मजबूती को साफ तौर पर दिखाया।

राहत की उम्मीद- 60 डॉलर के नीचे गिरा कच्चा तेल,

घटेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब के लिए नए साल की शुरुआत एक बड़ी खुशखबरी के साथ हुई है। कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की औसत लागत 60 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई है। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में अब तक भारतीय कच्चा तेल बास्केट का औसत भाव 59.92 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया है। फरवरी 2021 के बाद यह पहला अवसर है जब कच्चे तेल की कीमतें इस निचले स्तर तक पहुंची हैं।

इससे पहले दिसंबर 2025 में यह औसत 62.2 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। वैश्विक बाजार में आपूर्ति की अधिकता और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मांग की सुस्ती ने कीमतों को नीचे धकेलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बाजार विशेषज्ञों और शोध संस्थानों का मानना है कि कच्चे तेल के दामों में आई यह गिरावट महज एक अस्थायी दौर नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक रुझान की ओर इशारा कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौजूदा संकेतों का विश्लेषण करने वाली विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय कच्चा तेल बास्केट में आगे भी नरमी बनी रहने की प्रबल संभावना है। अनुमान जताया गया है कि मार्च 2026 तक कीमतें गिरकर 53 डॉलर और जून 2026 तक यह 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी तोड़ सकती हैं। यदि यह अनुमान सही साबित होते हैं, तो सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ी कटौती करने का पर्याप्त आधार होगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है।

भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला मामूली बदलाव भी देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डालता है। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल महज 1 डॉलर की कमी आने से भारत के सालाना तेल आयात बिल में करीब 13 हजार करोड़ रुपये की भारी बचत होती है।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

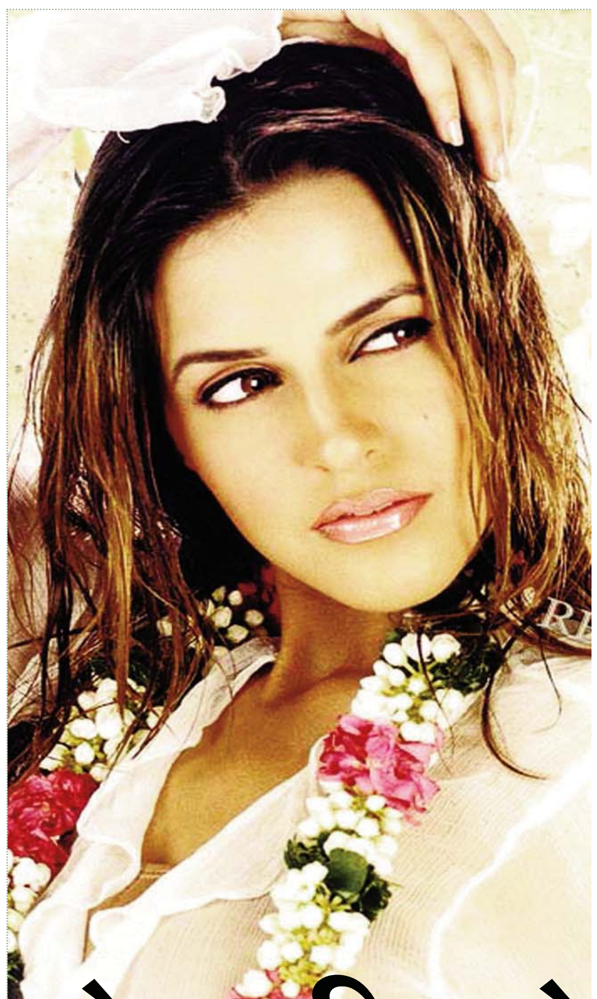

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

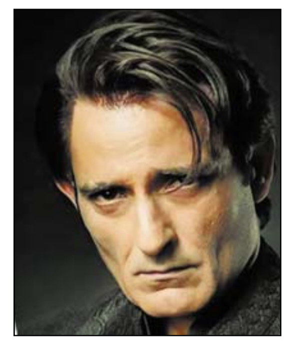

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

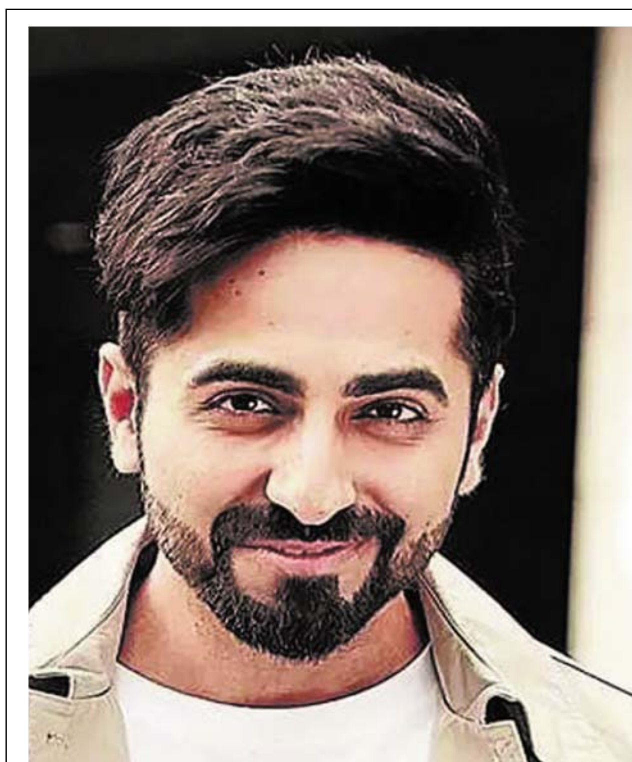

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ग 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in